मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 26 जून 2026
संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 11 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 282, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ ड्रग्स के दलदल में युवा पीढ़ी
किसी को कपड़ों से जज करना सही नहीं : शिल्पा शिंदे ◀◀ 6

रामगढ़ सड़क हादसे में एक परिवार के तीन लोगों सहित 8 की मौत

मेट्रो रेज

रामगढ़: गुरुवार देर रात रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास कोयला लदे एक ट्रक ने एक सवारी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के वक्त वाहन में आठ लोग सवार थे, जिनमें से सात की मौत अस्पताल ले जाते वक्त हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को रांची के रिम्स में भर्ती करवाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इसकी पुष्टि मृतक के रिश्तेदार ने की है।

मृतकों की हुई पहचान : इस हादसे में मारे गये लोग बैंड-ताशा पार्टी के सदस्य थे। 8 में से तीन एक ही परिवार के सदस्य थे। जबकि दो सगे भाई थे। मृतकों के नाम हैं अनोद कुमार, डेविड करमाली, पप्पू करमाली, पवन करमाली, अशोक कुमार, शक्ति कुमार, हेमंत कुमार महतो और मनीष कुमार। ये हादसा बुध बाजार लारी-बरलौंग के समीप रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बलसगरा के दो लोग और मारगमर्चा गांव के ताशा-बैंड पार्टी के सदस्य एक सवारी वाहन से मारगमर्चा आए थे। कार्यक्रम के लिए बैंड-ताशा पार्टी के अन्य सदस्यों को लेकर वापस बलसगरा लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के क्रम में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। ये टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची पुलिस : इस हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, रजरप्पा थाना पुलिस और अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सात लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक व्यक्ति की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे रांची रेफर कर दिया गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर जताया दुख

मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने दुख जताया है और शोकाकुल परिवारों को ढाढस बंधाया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा ₹रामगढ़-बोकारो मार्ग पर लारी-बरलौंग के पास सड़क हादसे में कल देर रात 7 लोगों के मरने की दुःखद खबर से मन व्यथित है। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

वहीं ताशा पार्टी से जुड़े पिंटू ने बताया कि दो लोग बलसगरा से सवारी गाड़ी में आए थे मारगमर्चा से 6 लोगों को लेकर वापस बलसगरा जा रहे थे। इसी दौरान यह घटना घटी है। जिसमें 6 लोग मारगमर्चा के बताए जा रहे हैं। जबकि दो लोग बलसगरा के बताए जा रहे हैं। हालांकि अभी तक सभी की पहचान नहीं हो पाई है।

सिविल सर्जन ने मौत को लेकर दी जानकारी : रामगढ़ सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ। अनिल कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में कुल आठ लोगों को अस्पताल लाया गया था। जिनमें से सात लोगों की मौत हो चुकी थी, जबकि एक व्यक्ति की स्थिति गंभीर थी, जिसे बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस : वहीं रामगढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रक के रॉन्ग साइड में जाकर सवारी वाहन को टक्कर मारने की बात सामने आई है। वाहन में ताशा पार्टी के सदस्य सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी वाहन के परखच्चे उड़ गए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इस हादसे के बाद मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-23 को जाम कर दिया और लगातार हो रहे हादसों पर नाराजगी जताई। मौके पर एसडीपीओ, रजरप्पा थाना प्रभारी, रामगढ़ थाना पुलिस समेत कई थानों के पुलिस पदाधिकारी और जवान कैंप कर रहे हैं। हालांकि प्रशासन द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क को कर यातायात को बहाल किया गया है।

बता दें कि एक ही स्थान पर चार दिन के भीतर 10 लोगों की मौत ने सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा के ठोस इंतजाम नहीं किए गए तो आगे भी ऐसे हादसे होते रहेंगे। फिलहाल पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है, जबकि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

रामगढ़ सदर अस्पताल में एसी ब्लास्ट, मरीजों का सुरक्षित रेस्क्यू

मेट्रो रेज

रामगढ़: सदर अस्पताल के मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में गुरुवार देर रात को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ओटी के बाहर लगे एयर कंडीशनर में हुए ब्लास्ट के बाद पूरा मॉड्यूलर ओटी धुएं से भर गया। जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। हालांकि अस्पताल कर्मियों, स्थानीय युवकों और चिकित्सकों की तत्परता और साहसिक प्रयासों से एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर के बाहर गैलरी में लगे तीन एयर कंडीशनरों में से एक एसी अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। ब्लास्ट के बाद आग लग गई और देखते ही देखते पूरा ओटी धुएं से भर गया। स्थिति ऐसी हुई कि कुछ भी दिखाई देना बंद हो गया। घटना के बाद कर्मियों ने सबसे पहले बिजली आपूर्ति को बंद किया और फिर धुएं से भरे ओटी और वार्ड से मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

नवजात समेत लगभग 12 मरीज थे मौजूद : घटना के समय ऊपरी तल पर करीब 10 से 12 मरीज भर्ती थे जिसमें तीन से चार नवजात शिशु भी शामिल थे। सभी को सुरक्षित तरीके से नीचे के तल पर शिफ्ट कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस, अस्पताल प्रबंधन और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन घटना के काफी देर बाद तक मॉड्यूलर ओटी धुएं से भरा रहा।

घटना को लेकर उपाधीक्षक ने दी जानकारी : घटना को लेकर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ हरेंद्र कुमार महतो ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मॉड्यूलर ओटी के बाहर लगे एसी में ब्लास्ट होने के कारण यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि सभी मरीज सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरे वार्डों में शिफ्ट कर दिया गया है, ताकि इलाज प्रभावित न हो। इस दौरान अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ हरेंद्र कुमार महतो, कर्मी विक्की, ओम प्रकाश शर्मा, मिथुन कुमार कुशवाहा और स्थानीय युवक रवि और गौतम ने आग बुझाने और मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन पूरे मामले की जांच में जुटी है और मॉड्यूलर ओटी में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा

अयोध्या: राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में एफआईआर के बाद राम मंदिर तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार दोनों के साथ ही गोपाल ने भी इस्तीफा दिया है। हालांकि इस्तीफे पर अभी कोई कुछ बोल नहीं रहा है। इस्तीफे पर कोई अधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। दरअसल, ट्रस्ट के द्वारा कराई गई एफआईआर के बाद 8 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों बड़ी मछलियों को बचाने और बचकर निकलने का आरोप लगा रहे थे।

आपको बता दें कि गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की तहरीर पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में बृहस्पतिवार को रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमाशंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव तथा मनीष कुमार यादव नामक व्यक्तियों और कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है।इसके बाद सभी नामजद आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और पुलिस मामले के संबंध में उनसे पूछताछ कर रही है।

एसआईटी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में उठाए थे सवाल

इससे पहले प्रारंभिक रिपोर्ट में एसआईटी ने ट्रस्ट और पदाधिकारियों की भूमिका का उल्लेख किया। खरीदारी, निर्माण, दानपात्र की रकम, आभूषण, रत्न तथा चढ़ावा सामग्री की गणना के तरीकों और भौतिक आडिट पर सवाल उठाए गए हैं। विस्तृत जांच में एसआईटी हर एक आरोप के संबंध में पता लगाएगी कि कितना सही है और कितना झूठ। दानपात्र की गणना व्यवस्था की जानकारी पहले हो चुकी है। अब सीसीटीवी फुटेज से दानपात्र खोलने, गणना कक्ष तक लाने तथा गणना के दौरान की स्थिति का आकलन करने की कोशिश करेगी। जब तक कोई फुटेज का चश्मदीद नहीं मिल जाता तब तक आरोपों को साबित करना मुश्किल होगा। इसी तरह निर्माण सामग्री की खरीद के बिल बाउचर भी चेक करेगी। भुगतान के तरीके का पता लगाएगी। संदेह होने पर बिल बाउचर, भुगतान और बाजार में उसी वस्तु के रेट के बारे में भी पता लगाया जा सकता है।

कोलकाता गोदाम हादसा: तारातला में मृतकों की संख्या 14 हुई ,24 घंटे बाद भी बचाव कार्य जारी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में निमार्णाधीन गोदाम ढहने की घटना में जान गंवाने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 14 हो गई। दुर्घटना के करीब 24 घंटे से अधिक समय के बाद बाद भी बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह भी मलबे से लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिसके बाद मलबे से बाहर निकाले गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो गई है। राज्य सरकार की ओर से मृतकों और घायलों की सूची जारी कर दी गई है। जिसमें जान गंवाने वालों की पहचान कृष्णा चौधरी (30), रोहित चौधरी (40), राहुल चौधरी (17), चंद्रमा चौधरी (60), पप्पू रजक (40), असगर हुसैन (55), साहिल सरदार (17), घी कुमार (17), असगर हुसैन (54), साहिल सरदार (17), हसन इमाम (44), गणेश कलंदी (45), नवीन सिंह (44), स्वपन मंडल (56) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों का इलाज एसएसकेएम अस्पताल में जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी पीड़ितों का विवरण जुटाने और उनकी आधिकारिक पुष्टि करने के प्रयास जारी हैं। जल्द ही सभी के बारे में जानकारी जुटा ली जाएगी।

बता दें कि ताराजतला इलाके में बुधवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हो गया था। यहां एक निमार्णाधीन गोदाम का हिस्सा अचानक ढह गया था, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तारातला क्षेत्र में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक गोदाम का निर्माण कार्य चल रहा था। बुधवार दोपहर मजदूर रोजाना की तरह निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान गोदाम की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक गिर पड़ा था। भारी मलबा गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग उसके नीचे दब गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय कई मजदूर निर्माण स्थल पर मौजूद थे। आशंका जताई जा रही है कि अभी भी काफी लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। इसी वजह से बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। बचावकर्मी मलबा हटाकर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

केतन मर्डर केस : सात लोगों के बयान दर्ज

मामले की गुत्थी सुलझाने को क्राइम सीन रीक्रिएट करेगी पुलिस

पुणे : केतन मर्डर केस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अब तक इस मामले में सात लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। वहीं, आरोपी चेतन की दुकान में काम करने वाले नीरज को हिरासत में लेकर 24 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई। फिलहाल जांच में नीरज की हत्या में सीधे तौर पर कोई भूमिका सामने नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक, नीरज ने पूछताछ में बताया कि उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि चेतन और सिया केतन की हत्या की साजिश रच रहे हैं। उसने यह स्वीकार किया कि घटना वाले दिन चेतन ने उसका मोबाइल फोन इस्तेमाल किया था लेकिन उसे चेतन के इरादों की कोई भनक नहीं थी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच में नीरज की भूमिका एक महत्वपूर्ण गवाह के रूप में सामने आ सकती है। संभावना है कि पुणे पुलिस उसे मुख्य गवाह बनाए ताकि यह स्थापित किया जा सके कि घटना वाले दिन चेतन अपना मोबाइल फोन दुकान पर छोड़कर गया था और उसने नीरज का फोन लेकर सिया से संपर्क और आपसी समन्वय (कोऑर्डिनेशन) करने के लिए उसका इस्तेमाल किया। उधर, मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए पुणे ग्रामीण पुलिस अब लोहागढ़ फोर्ट पर घटनास्थल का क्राइम सीन रीक्रिएट करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसकी पूरी योजना तैयार कर ली गई है लेकिन पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय रखा गया है। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस यह समझने की कोशिश करेगी कि सिया और उसके प्रेमी चेतन ने पूरी वारदात को कैसे अंजाम दिया। जांच टीम यह भी देखेगी कि घटना के समय केतन, सिया और चेतन किस-किस जगह पर मौजूद थे, धक्का किस स्थिति में दिया गया और उसके बाद शव कितनी दूरी तक खाई में गिरा। इसके लिए डमी बॉडी का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, पुणे पुलिस का कहना है कि अभी इस प्रक्रिया का समय तय नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है और अब तक मिले सभी साक्ष्य परिस्थितिजन्य हैं। यही वजह है कि जांच एजेंसी हर छोटी-बड़ी कड़ी को जोड़ने में जुटी है और घटना से पहले तथा बाद की हर गतिविधि का बारीकी से विश्लेषण कर रही है।

यूएन में भारत ने रखा शांति निर्माण का विजन कहा- राष्ट्रीय नेतृत्व और साझेदारी पर हो जोर

नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में शांति स्थापित करने और शांति बनाए रखने पर आयोजित उच्चस्तरीय बहस में भारत का पक्ष रखा। इससे पहले उन्होंने पहले 'पीसबिल्डिंग वीक' के दौरान संयुक्त राष्ट्र की शांति निर्माण संरचना के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित पीसबिल्डिंग आयोग (पीबीसी) के वार्षिक सत्र में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने कई जरूरी मुद्दों को रेखांकित किया और कहा कि पीसबिल्डिंग डिमांड पर आधारित होनी चाहिए और नेशनल ओनरशिप पर आधारित होनी चाहिए। साझेदारी भरोसे, सम्मान और बराबरी पर आधारित होनी चाहिए और डोनर-रिसीपिएंट अप्रोच से आगे बढ़नी चाहिए। पीसबिल्डिंग का असली टेस्टः राष्ट्रीय क्षमता और संस्थागत लचीलापन बनाना। महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडा के प्रति प्रतिबद्ध है, खासकर शांति निर्माण में।

भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने कहा, ₹हम आज ह्यपीसबिल्डिंग और सस्टेनिंग पीसह्न पर डिबेट बुलाने के लिए शुक्रगुजार हैं। यह संयुक्त राष्ट्र में पहले पीसबिल्डिंग वीक के साथ हो रही है। मैं सबसे पहले अपने भाई राजदूत उमर हिलाले, जो पीसबिल्डिंग आयोग के अध्यक्ष हैं; जर्मनी के राजदूत रिकलेफ, जो पिछले अध्यक्ष थे और ब्यूरो के दूसरे सदस्यों, साथ ही मिस्र और स्लोवेनिया के पीसबिल्डिंग संरचना समीक्षा के चौथे रिव्यू में उनकी को-फैसिलिटेटिंग भूमिका के लिए उनके अच्छे काम की समीक्षा करना चाहता हूं।₹

पी हरीश ने कहा, ₹आयोग के 19वें सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं। इनमें संयुक्त राष्ट्र की शांति निर्माण संरचना की चौथी समीक्षा, पहली राष्ट्रीय शांति निर्माण रणनीति की प्रस्तुति और पीसबिल्डिंग फंड के साथ पहला वार्षिक रणनीतिक संवाद शामिल है। यह संवाद संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पीसबिल्डिंग फंड के लिए 5 करोड़ डॉलर (50 मिलियन डॉलर) के अनिवार्य वित्तीय योगदान को मंजूरी दिए जाने के बाद आयोजित किया गया।₹

उन्होंने कहा कि पीसबिल्डिंग फंड को लेकर महासचिव की रिपोर्ट में पिछले तीन सालों में वॉलंटरी कंट्रीब्यूशन में कमी देखी गई है। साथ ही, संगठन की मौजूदा लिक्विडिटी की स्थिति ने पीसबिल्डिंग गतिविधियों के लिए तय योगदान की मौजूदगी को कम कर दिया है। यह एक चिंताजनक पैटर्न है। कम रिसोर्स में ज्यादा प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, संसाधनों को प्राथमिकता देने का काम लड़ाई के बाद की सेटिंग्स पर फोकस करना चाहिए। हम फंड की अगली रणनीतिक के विकास के दौरान इस फ्रंट पर और प्रोग्रेस देखना चाहेंगे।

पी। हरीश ने कहा कि पीसबिल्डिंग वीक की थीम, ह्यूएन पीसबिल्डिंग@20: इनोवेशन, इन्क्लूजन और इम्पैक्ट के लिए साझेदारी,ह्व बहुत सही समय पर है। इस साल की शुरूआत में, हमने सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ साझेदारी में ह्यबदलते ग्लोबल कॉन्टेक्स्ट में पीसकीपिंग और पीसबिल्डिंगह्न पर एक रिट्रीट आयोजित किया था। हम शांति बनाने और शांति बनाए रखने के लिए भरोसे पर आधारित साझेदारी को बढ़ावा देने के महत्व को समझते हैं। ऐसी साझेदारी तभी बनाई जा सकती है जब सभी शांति बनाने की गतिविधियों में राष्ट्रीय मालिकाना हक मुख्य सिद्धांत बना रहे। उन्होंने कहा कि पीसबिल्डिंग को पारंपरिक डोनर-रिसीपिएंट अप्रोच से आगे बढ़ना होगा। यह डिमांड-ड्रिवन होना चाहिए, जो राष्ट्रीय सरकारों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को दिखाए, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय आर्थिक और तकनीकी मदद देकर सपोर्टिव रोल निभाए। इसके अलावा, पीसबिल्डिंग को लड़ाई के बाद के हालात में संस्थागत स्थिरता और राष्ट्रीय क्षमता बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, ₹इस महीने की शुरूआत में भारत की मेजर अभिलाषा बराक को वर्ष 2025 के 'मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' सम्मान से नवाजा गया। यह महिलाओं, शांति और सुरक्षा एजेंडा, विशेषकर शांति निर्माण (पीसबिल्डिंग) के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराता है। भारत शांति निर्माण के क्षेत्र में सभी साझेदार देशों के साथ मिलकर काम करने और राष्ट्र निर्माण के अपने विशिष्ट अनुभव को साझा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

समाचार सार

भाजपा ने पदाधिकारियों को सौंपा 24 घंटे जिलावार प्रवास का दायित्व

रांची : झारखंड भाजपा ने संगठनात्मक मजबूती एवं विस्तार के लिए जिलावार 24 घंटे प्रवास कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देशानुसार भाजपा द्वारा 26 से लेकर 30 जून तक राज्य के सभी संगठनात्मक जिलों में पार्टी पदाधिकारियों के 24 घंटे के प्रवास का कार्यक्रम बनाया गया है। जिलों में प्रवास कार्यक्रम के लिए पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों को अलग अलग जिला आवंटित किया गया है।

इन पदाधिकारियों को मिली जिम्मेवारी : जिन पदाधिकारियों को प्रवास का दायित्व सौंपा गया है, उसमें प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद को बोकारो, नीलकंठ सिंह मुंडा को रामगढ़, आभा महतो को रांची पूर्वी, बालमुकुंद सहाय को साहेबगंज, भानू प्रताप शाही को जमशेदपुर महानगर एवं पूर्वी सिंहभूम, डॉ. प्रदीप वर्मा को पश्चिमी सिंहभूम एवं सरायकेला खरसावां, सुनील सोरेन को गिरिडीह महानगर, मुनेश्वर साहू को गोड्डा, गीता कोड़ा को रांची पश्चिमी, प्रदेश संगठन महामंत्री को कर्मवीर सिंह को दुमका एवं देवघर, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्र को गढ़वा एवं पलामू, अमर कुमार बाउरी को रांची महानगर एवं पाकुड़, मनोज सिंह को गुमला, सिमडेगा एवं धनबाद महानगर, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा को धनबाद ग्रामीण, शैलेन्द्र सिंह को चक्रधरपुर, सरोज सिंह को गिरिडीह ग्रामीण, सुनीता सिंह को खूंटी, अमरदीप यादव को चतरा, कृष्णा महतो को जामताड़ा, अमित कुमार सिंह को लोहरदगा, मनीर उरांव को लातेहार, शालिनी बैसखियार को कोडरमा, प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका को हजारीबाग जिले का दायित्व सौंपा गया है।

एसआईआर को लेकर निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया को बेहतर और पारदर्शी बनाने को लेकर अपने सुझाव रखे। कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रदेश महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बैठक में भाग लिया और पार्टी का पक्ष रखा। कांग्रेस प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि प्रीमिटिव ट्राइब्स (पीवीटीजी) और बेड रिडेन मरीजों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न हो।

कांग्रेस की ओर से यह भी सुझाव दिया गया कि तार्किक विसंगतियों से जुड़े मामलों का समाधान मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर किया जाए। केवल तकनीकी या मशीन आधारित प्रक्रिया पर निर्भर रहने के बजाय जमीनी स्तर की वास्तविक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाए। बैठक के बाद प्रदेश महासचिव सूर्यकांत शुक्ला ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई है कि आगामी 30 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) और बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) का वितरण करेंगे, जिसे मतदाताओं को भरकर जमा करना होगा।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा पूरी प्रक्रिया के दौरान तीन महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की जाएंगी। अंतिम बैठक पुनरीक्षण के अंतिम सप्ताह में होगी, जिसमें राजनीतिक दलों के बीएलए उपस्थित रहकर एएसडीडी सूची पर हस्ताक्षर करेंगे।

उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, लेकिन वर्तमान मतदाता सूची में शामिल है, उन्हें इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करना होगा। वहीं जिन मतदाताओं का नाम 2003 की सूची में दर्ज है, उन्हें और उनके पुत्र-पुत्रियों को भी फॉर्म भरना होगा। हालांकि इस श्रेणी के मतदाताओं को अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। शाहदेव ने बताया कि 30 जून को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा राज्यभर के एसआईआर के अद्यतन आंकड़े सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा किए जाएंगे। इसके 15 दिनों बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजनीतिक दलों के साथ पुनः समीक्षा बैठक करेंगे।

सीसीएल में ऊर्जा सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य पर कार्यशाला आयोजित

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडी) एवं एनआईपीएम, रांची चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सीसीएल में ऊर्जा सुरक्षा का परिप्रेक्ष्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ऊर्जा सुरक्षा के राष्ट्रीय एवं औद्योगिक महत्व, भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं और उभरती चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, एमसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) केशव राव, महाप्रबंधक (अधि. स्थापना) एसके ठाकुर, महाप्रबंधक (एचआरडी) एमएफ हक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने मुख्य वक्ता केशव राव का स्वागत किया और उनके अनुभव एवं ज्ञान की सराहना की। मुख्य वक्ता एमसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) केशव राव ने ऊर्जा सुरक्षा की अवधारणा, देश की बढ़ती ऊर्जा मांग, भविष्य की चुनौतियों और वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, आर्थिक स्थिरता और देश की प्रगति के लिए ऊर्जा सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में संसाधनों के बेहतर उपयोग, दीर्घकालिक रणनीति और टिकाऊ ऊर्जा विकल्पों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े रणनीतिक, नीतिगत और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी मिली। कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक एसके ठाकुर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। सीसीएल की यह पहल अधिकारियों एवं कर्मियों के ज्ञानवर्धन तथा समसामयिक विषयों पर संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

मुख्यमंत्री से मेजर जनरल सज्जन सिंह मान व कर्नल हेमचंद्रा ने की मुलाकात

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मेजर जनरल सज्जन सिंह मान एवं नोडल ऑफिसर डूरंड कप कर्नल हेमचंद्रा ने शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि प्रतिष्ठित फुटबॉल टूनार्मेंट डूरंड कप की मेजबानी इस वर्ष रांची कर रहा है। यह टूनार्मेंट आगामी 26 जुलाई से प्रारंभ होना संभावित है। मौके पर मुख्यमंत्री को उन्होंने टूनार्मेंट के सफल आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न विभागों के साथ समन्वय की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर राज्य के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार उपस्थित थे।

मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डूरंड कप देश का ऐतिहासिक एवं गौरवशाली फुटबॉल टूनार्मेंट है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर झारखंड को प्राप्त होना गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में राज्य की पहचान लगातार देश-दुनिया में मजबूत हो रही है और ऐसे बड़े आयोजनों से यहां के खिलाड़ियों को प्रेरणा एवं बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डूरंड कप आयोजन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। टूनार्मेंट में शामिल खिलाड़ियों, टीम प्रबंधनों एवं खेल प्रेमियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसका विशेष ख्याल रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

रांची स्टेडियम हादसे के घायलों को मिले 10 लाख मुआवजा : अजय साह

संवाददाता

210

रांची : रांची स्टेडियम में हुई भगदड़ की घटना को लेकर भाजपा ने जेएससीए प्रबंधन और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने इस घटना के लिए जेएससीए प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव समेत आयोजन से जुड़े जिम्मेदार पदाधिकारियों पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

अजय साह ने कहा कि क्रिकेट आयोजन के नाम पर अव्यवस्था और वीआईपी संस्कृति का खेल चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक वर्ष से जेएससीए क्रिकेट गतिविधियों से अधिक विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की कार्यप्रणाली और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी पूर्व में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कई गंभीर सवाल उठा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

भाजपा प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि जब मैच के दौरान बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना पहले से थी, तो जेएससीए की ओर से अतिरिक्त पुलिस बल, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन एजेंसियों की व्यवस्था पहले से क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि स्टेडियम परिसर में पर्याप्त मेडिकल टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था भी नहीं थी। भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी किसके पास थी और क्या इसके लिए कोई प्रशिक्षित क्राउड मैनेजमेंट टीम बनाई गई थी, यह जांच का विषय है।

अजय साह ने आरोप लगाया कि बिना किसी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और पर्याप्त तैयारी के भीड़ को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी कुछ बाउंसरों और सीमित पुलिस बल के भरोसे छोड़ दी गई। उन्होंने कहा कि स्थिति बिगड़ने के बाद घायल और भयभीत लोगों पर लाठीचार्ज किया गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए।

उन्होंने जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव पर निशाना साधते हुए कहा कि घटना के समय आम दर्शकों की सुरक्षा से अधिक वीआईपी मेहमानों की व्यवस्था पर ध्यान दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जेएससीए में क्रिकेट संचालन से अधिक वीआईपी संस्कृति और अव्यवस्थाएं हावी हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि घटना के 72 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी जिम्मेदार पदाधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने मांग की कि जेएससीए अध्यक्ष सहित आयोजन से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और निष्पक्ष जांच पूरी होने तक प्रशासनिक कदम उठाए जाएं।

भाजपा ने भगदड़ में घायल सभी लोगों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने तथा उनके इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार और जेएससीए द्वारा उठाने की मांग की। साथ ही बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम हादसे की तर्ज पर रांची स्टेडियम मामले में भी सीटिंग जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराने की मांग की गई। प्रेसवार्ता में भाजपा के मीडिया सह प्रभारी तारिक इमरान और सूरज शाहदेव भी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया, प्रवक्ता व सोशल मीडिया प्रभारियों की हुई बैठक

संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के मीडिया प्रभारियों, प्रवक्ताओं एवं सोशल मीडिया प्रभारियों की बैठक गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को दायित्व देकर संगठन हित में कार्य करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी पार्टी के विश्वास पर खरा उतरें तथा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा में पद प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का विषय है। संगठन प्रत्येक कार्यकर्ता की मेहनत और समर्पण पर नजर रखता है। भाजपा एक ऐसी पार्टी है जहां एक बूथ अध्यक्ष भी अपनी कार्यक्षमता और समर्पण के बल पर प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का दायित्व प्राप्त कर सकता है। इसलिए सभी कार्यकताओं के लिए आगे बढ़ने की असीम संभावनाएं हैं। श्री साहू ने कहा कि मीडिया, प्रवक्ता एवं सोशल मीडिया विभाग पार्टी की विचारधारा और नीतियों को समाज तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं से मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद स्थापित करने का आग्रह किया तथा मीडिया विभाग में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मीडिया, प्रवक्ता एवं सोशल मीडिया प्रभारियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित समाचारों से निरंतर अवगत रहें तथा अद्यतन जानकारी रखें। उन्होंने वर्ष 2029 के लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य आधारित एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी एवं मनोज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में प्रमुख रूप से प्रवक्ता अजय शाह, रमाकांत महतो, अभय सिंह, अमित मंडल, अविनेश कुमार, संदीप वर्मा, रविनाथ किशोर, राफिया नाज, अशोक बड़ाईक, मृत्युंजय शर्मा, प्रकाश सिंह, शोभा यादव, मीडिया सह-प्रभारी अजय राय, सतीश सिन्हा, तारिक इमरान, नीरज सिंह, सूरज नाथ शाहदेव, सोशल मीडिया प्रभारी राहुल अवस्थी, सोशल मीडिया सह-प्रभारी रजनीश पांडेय, राहुल शाहदेव एवं प्रिया करमाली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशामुक्त झारखंड के संकल्प के साथ युवाओं ने लगाई दौड़

युवाओं के हर कदम का संकल्प झारखंड को मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचाना है : मंत्री

मोरहाबादी से अल्बर्ट एक्का चौक तक मैराथन आयोजित

संवाददाता

रांची : झारखंड को मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त बनाने के उद्देश्य से पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से गुरुवार को जागरूकता मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से शुरू हुई यह दौड़ अल्बर्ट एक्का चौक तक आयोजित की गई।

मैराथन को पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैराथन में शामिल युवाओं का हर कदम झारखंड को मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचाने के संकल्प को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का संकल्प झारखंड को नशामुक्त बनाना है और इस अभियान में युवा कदम से कदम मिलाकर सहयोग कर रहे हैं।

मैराथन में रांची के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों सहित खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकताओं और बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने युवाओं एवं उपस्थित लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा नशामुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने अल्बर्ट एक्का चौक पर मैराथन के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। मंत्री ने कहा कि झारखंड को नशामुक्त बनाने के साथ-साथ युवा राज्य को बेहतर, सशक्त और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मैराथन में युवाओं की भागीदारी से यह स्पष्ट है कि वे स्वस्थ, सबल और विकसित झारखंड के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्यक्रम स्थल पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी, खिलाड़ी, युवा और रांची सहित अन्य जिलों से आए गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साइकिल प्रतियोगिता के विजेता

पुरुष वर्ग: प्रथम - शरद अहीर, द्वितीय - सुभाष उरांव व तृतीय - गुलशन डूंगडूंग

महिला वर्ग: प्रथम - पूजा सिंह, द्वितीय - निशा कुमारी व तृतीय - मंजू कुमारी आदि उपस्थित थे।

संविधान हत्या दिवस भाजपा का राजनीतिक पाखंड : राकेश सिन्हा

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा द्वारा मनाए जा रहे तथाकथित ह्लसंविधान हत्या दिवसह्व को राजनीतिक पाखंड और इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की साजिश बताया है। उन्होंने कहा कि जिस भाजपा और उसके वैचारिक संगठन ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण तक हर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया से खुद को अलग रखा, वह आज संविधान की दुहाई देकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस मानती है कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा अध्याय है, जिससे सीख लेकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को और मजबूत किया जाना चाहिए। लेकिन भाजपा का उद्देश्य इतिहास से सीख लेना नहीं, बल्कि वर्तमान की विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाना है। सिन्हा ने कहा कि आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सवाल उठ रहे हैं, विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है, संसद में विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है और संवैधानिक पदों की गरिमा को कमजोर किया जा रहा है। ऐसे में संविधान की रक्षा का उपदेश भाजपा को नहीं, बल्कि देश की जनता भाजपा को दे रही है। उन्होंने कहा कि संविधान की हत्या केवल किसी एक ऐतिहासिक घटना से नहीं होती, बल्कि तब होती है जब लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संघीय ढांचे और सामाजिक न्याय की भावना पर लगातार प्रहार किया जाता है। भाजपा सरकार के पिछले वर्षों का रिकॉर्ड इसी दिशा की ओर संकेत करता है।

जेपी विचार मंच ने मनाया आपातकाल-प्रतिकार दिवस

रांची : जेपी विचार मंच, झारखंड प्रदेश के तत्वावधान में गुरुवार को डिप्टी पाड़ा स्थित विधायक सीपी सिंह के आवासीय कार्यालय में ह्यआपातकाल-प्रतिकार दिवसह्न मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के प्रदेश अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार मालिक ने की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को काला बिल्ला लगाकर आपातकाल के दौर का स्मरण किया और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि रांची विधायक चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में जनता को अधिक जागरूक और सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि समाज सजग नहीं रहा तो नई तकनीकों के दुरुपयोग से लोकतांत्रिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि देश को आपातकाल जैसी परिस्थितियों से मुक्त रखने के लिए जनता की सतत जागरूकता आवश्यक है। वहीं मंच के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार मालिक ने कहा कि जनता की सजगता और संघर्ष के कारण ही देश को आपातकाल से मुक्ति मिली थी।

कार्यक्रम में श्रीमती उषा पांडेय ने आपातकाल के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र के लिए काला अध्याय बताया। 74 चेतना मंच के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा तथा अखौरी प्रमोद बिहारी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

जेपी विचार मंच के प्रदेश प्रवक्ता शैलेश कुमार सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि राजनीति में सत्ता के चरम उपभोग की प्रवृत्ति कभी-कभी अधिनायकवाद और तानाशाही की ओर ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि जागरूक और सचेत जनता ही लोकतंत्र को ऐसे खतरों से बचा सकती है, इसलिए समाज को सदैव सतर्क रहना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ एआरके वर्मा, नवेंदु उन्मेष, प्रदीप सिन्हा, डॉ. सचिन कुमार, प्रशांत नारायण, पंकज सिंह, लखन गुप्ता, उदय नारायण सिंह, रमाकांत वर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत जेपी विचार मंच के प्रतिनिधिमंडल ने प्रेम मित्तल के आवास पहुंचकर उन्हें काला बिल्ला लगाया तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस अवसर पर श्री मित्तल ने मंच का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष आम जनता की लड़ाई थी, जिसमें अंततः लोकतंत्र और जनता की जीत हुई।

राज्यभर के 61.26 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में 28 से 30 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर गुरुवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों, विभागीय समन्वय तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अभियान के अंतर्गत राज्य के 5 वर्ष से कम आयु के लगभग 61.26 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम दिन 28 जून को पूरे राज्य में स्थापित 24,507 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। इसके बाद 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों तक पहुंचेंगी जो बूथों पर नहीं आ सके हैं, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए पूर्ण समन्वय एवं सक्रिय सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को अभियान में अपनी पूरी क्षमता और प्रतिबद्धता के साथ भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहिया, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, ग्राम स्तरीय संगठन तथा ग्रामीण विकास विभाग के कर्मी समुदाय तक जागरूकता संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। साथ ही मीडिया संस्थानों से भी अपील की गई कि वे पोलियो उन्मूलन के संदेश को राज्य के प्रत्येक गांव, टोला एवं बस्ती तक पहुंचाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

अपर मुख्य सचिव ने राज्य के सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया कि अभियान के तीनों दिनों के दौरान प्रतिदिन शाम को समीक्षा एवं डी-ब्रीफिंग बैठक आयोजित कर दिनभर की प्रगति का आकलन करें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं बच्चों के छूटने, कम कवरेज, टीमों की अनुपस्थिति, प्रतिरोध अथवा अन्य चुनौतियों की जानकारी मिलती है तो वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अगले दिन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित हो।

बैठक में यह भी बताया गया कि भारत वर्ष 2011 से वाईल्ड पोलियो वायरस से मुक्त है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अब भी पोलियो वायरस का संचरण जारी रहने के कारण सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। ऐसे में प्रत्येक अभियान के दौरान प्रत्येक बच्चे तक पहुंचना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अजय कुमार सिंह ने राज्य के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे 28 जून को अपने 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर जाएं तथा घर-घर आने वाली स्वास्थ्य टीमों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बच्चे ने पहले कितनी भी बार पोलियो की दवा ली हो, हर अभियान में पोलियो की खुराक पिलाना आवश्यक है, क्योंकि यही पोलियो उन्मूलन की सफलता की कुंजी है।

कृषि विज्ञान केंद्रों की वेबसाइट को सशक्त बनाने के लिए बीएयू में प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा गुरुवार को झारखंड के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में कार्यरत सहायकों के लिए वेबसाइट प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ओमेगा टेली सोल्यूशन के सहयोग से किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. डीके शाही ने कहा कि किसी भी संस्था की वेबसाइट उसके कार्यों, उपलब्धियों और गतिविधियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों की वेबसाइट को नियमित रूप से अपडेट और उपयोगी जानकारी से समृद्ध किया जाना आवश्यक है, ताकि किसानों और आम लोगों को इसका लाभ मिल सके।

डॉ शाही ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को निर्देश दिया कि वे एक माह के भीतर अपने-अपने कृषि विज्ञान केंद्रों की वेबसाइट पर केंद्र से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारियां अपलोड करें। उन्होंने वेबसाइट में सुधार, सामग्री की गुणवत्ता और डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा के अपर निदेशक डॉ. निरंजन लाल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए वेबसाइट प्रबंधन और सूचना के प्रभावी प्रसार के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वेबसाइट संचालन, सामग्री अपलोड करने, सूचनाओं के बेहतर प्रस्तुतीकरण और डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग से संबंधित तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राहे में जेसीबी लगाकर नाली निर्माण का कार्य शुरू

मुरी : राहे प्रखंड अंतर्गत डोम टोली में गुरुवार को अंचल अधिकारी राहे एवं स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो की उपस्थिति में जमीन की मापी कर नाली निर्माण का कार्य शुरू किया गया। बताते चले की इस क्षेत्र में कुछ जगह ऐसे हैं जहां प्रतिवर्ष बरसात के मौसम में पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पाती है जिसके कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नाली के बन जाने से लोगों को काफी सुविधा होगी। इस मौके पर झामुमो राहे के प्रखंड अध्यक्ष पशुपति अहीर, प्रखंड उपाध्यक्ष सनातन मुंडा समेत अन्य मौजूद रहे।

उपभोक्ताओं के साथ डीलर का व्यवहार ठीक नहीं

मुरी : आज सिल्ली मेन रोड स्थित संतोष साव डीलर और उसका स्टाफ सुफल पोद्दार राशन लेने गई उपभोक्ता रिंकी कुमारी के साथ बदतमीजी व्यवहार किया।तुम थाना मे शिकायत करो या वीडियो के पास जाओ, हमारा कुछ भी बिगाड नही सकती हो।ऐसा भाषा डीलर के साथ साथ उसका नौकर भी बोला है।इसकी शिकायत पहले भी वीडीओ को दिया गया था।जब कडई से कारवाई नही हुआ तो डीलर और नौकर दोनो का मन बहक गया।अब उपभोक्ता रिंकी को निशाने पर रख कर परेशान करने लगा। जब राशन लेने जाए, तो दो दिन बाद आना,मशीन खराब है।आप ही को ज्यादा तकलीफ है।दो घंटा रूकिए,नही तो कही और जगह से राशन उठाईए।इस तरह से बोल कर परेशान किया जा रहा है।

पिछले तीन दिनों से ट्रांसफार्मर खराब, ग्रामीण परेशान

मुरी: प्रखंड के इचाक (पायराटोंग) कोइरी टोला धोनी मैदान के पास पिछले तीन दिनों से ट्रांसफार्मर जला पड़ा है जिसके कारण लोगों को अंधेरा में रहना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसको लेकर बिजली विभाग के कर्मचारियों को सूचित किया गया है लेकिन किसी तरह का मरम्मत कार्य नहीं हो पाया है। एक बिजली मिस्त्री ने बताया कि ट्रांसफार्मर का तेल खत्म हो गया है इसलिए खराब हो गया है। ग्रामीण इसको बनवाने के लिए थोड़ी बहुत चंदा इकट्ठा कर मरम्मत करवाना चाहता है पर बिजली मिस्त्री आजकल आजकल करके नहीं आ रहा है। बताते चले इस क्षेत्र में काफी संख्या में खेती-बाड़ी करने वाले किसान रहते हैं बिजली की कमी से सिंचाई संबंधी परेशानी भी इन्हें हो रही है। ज्ञात हो की झारखंड सरकार के अनुसार अगर कहीं बिजली संबंधी समस्या हो तो उसे 24 घंटे के अंदर विभाग के द्वारा बनाए जाने चाहिए।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्रद्धा भक्ति और सेवा का भव्य आयोजन

रांची : पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संत शिरोमणि परमहंस स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में निर्जला एकादशी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन एवं सामूहिक आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने विधि-विधान से भगवान की आराधना संपन्न कराई तथा प्रसाद का भोग अर्पित किया। निर्जला एकादशी पर श्री राधा रानी का विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार नवीन पीले रंग के दिव्य पोशाक तथा जड़ित आभूषणों से किया गया। पूजा-अर्चना के पश्चात भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ,जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान के भजनों का रसपान करते हुए भक्तिमय वातावरण का आनंद लिया। सामूहिक आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान के जयघोष एवं मंत्रोच्चार से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच वेजिटेबल खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आत्मसात किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज चौधरी एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने निर्जला एकादशी की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

होल्डिंग टैक्स पर 10 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाने के कुछ दिन शेष

रांची : रांची नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए होल्डिंग टैक्स के समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए एकमुश्त कर जमा करने पर अधिकतम 10 प्रतिशत तक की विशेष छूट देने की व्यवस्था की है। इस विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए अब केवल पांच दिन शेष हैं। निगम ने सभी होल्डिंग धारकों से 30 जून 2026 तक अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर इस योजना का लाभ लेने की अपील की है।

नगर आयुक्त के निर्देश पर राजस्व शाखा की टीम द्वारा निगम क्षेत्र के अधिकांश होल्डिंग धारकों के भवनों पर सूचना पत्र चस्पा कर उन्हें विशेष छूट योजना की जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक करदाताओं तक योजना की जानकारी पहुंचाना और समय पर कर भुगतान के लिए प्रेरित करना है। नागरिकों की सुविधा को देखते हुए रांची नगर निगम ने अवकाश के दिनों में भी निगम कार्यालय स्थित जन सुविधा केंद्र खुले रखने का निर्णय लिया है। इसके तहत 26 जून (मोहर्रम), 28 जून (रविवार) तथा 30 जून (हूल दिवस) को भी जन सुविधा केंद्र संचालित रहेंगे, जहां नागरिक अपने होल्डिंग टैक्स का भुगतान कर सकेंगे। नगर निगम ने करदाताओं के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई है।

नशे के खिलाफ जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार : निर्मला बहन

संवाददाता

रांची : नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान, चौधरी बागान, हरमू रोड में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए रांची विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर विद्या वासिनी नंदन पांडेय ने कहा कि भारत सरकार द्वारा 17 जून से 26 जून तक ह्लनशा मुक्त भारत अभियान-विकसित भारत की पहचानह्व थीम के साथ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 26 जून को दुनिया भर में मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी दिवस मनाया जाता है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने कहा कि नशा केवल स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक चुनौती भी है। उन्होंने कहा कि नशा किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अनेक समस्याओं की जड़ है।

चिन्मय मिशन के सचिव प्रमोद कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, मानसिक स्थिरता को कमजोर करता है, पारिवारिक संबंधों को प्रभावित करता है और अपराध की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को अंधकारमय कर सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित काउंसलर मनवीर कौर ने राजयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजयोग अभ्यास व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने, मन को शांत रखने और परमात्मा से आध्यात्मिक जुड़ाव स्थापित करने में सहायता करता है।

केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के आध्यात्मिक दृष्टिकोण के अनुसार नशे से स्थायी मुक्ति केवल बाहरी उपचार से नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन से संभव है। उन्होंने कहा कि राजयोग ध्यान मन को मजबूत करता है, आत्मसम्मान बढ़ाता है और व्यक्ति में सकारात्मक सोच का विकास करता है।

निर्जला एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में गूंजे बाबा श्याम के जयकारे

संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गुरुवार को प्रातः 5 बजे मंदिर के पट खुलने के साथ ही भक्तों की भीड़ बाबा श्री श्याम के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। नियमित दर्शनार्थियों के अलावा एकादशी के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बाबा के दरबार में अपनी अरदास लगाई। प्रातः 5:30 बजे मंगला आरती के बाद मंदिर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में बाबा श्री श्याम का दिव्य एवं अनुपम श्रृंगार किया गया। सुबह 8:30 बजे श्रृंगार आरती में भक्तों की लंबी कतार हरमू रोड तक पहुंच गई। पूरा क्षेत्र ह्लहारे के सहारे की जयह्व और ह्लजय श्याम प्यारे की जयह्व के जयकारों से गूंज उठा। श्रृंगार आरती के बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें ह्लजय जय जय खाटू के वासी, जय जय बाबा श्यामह्व जैसे भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राजेश ढांढनिया ने अपने परिवार के साथ बाबा श्री श्याम को सवामणि भोग प्रसाद अर्पित किया। वहीं प्रवीण जायसवाल एवं सौरभ चौधरी ने फल सवामणी सेवा प्रदान की।

मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़िया की देखरेख में सवामणी प्रसाद की व्यवस्था की गई। महामंत्री गौरव अग्रवाल के निर्देशानुसार भक्तों के दर्शन के लिए सुचारु लाइन व्यवस्था की गई। मंत्री विष्णु चौधरी, पंकज गाड़ोदिया एवं उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया के सानिध्य में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद एवं फल का वितरण किया गया।

एकादशी का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यकारिणी सदस्य स्नेह पोद्दार एवं स्नेहा पोद्दार ने अपने परिवार के साथ बाबा श्री श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा, रबड़ी, मगही पान एवं फल का भोग अर्पित किया।देर रात आरती के साथ एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़िया, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान सहित मंडल के पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रांची पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध और नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

रांची : वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देशानुसार रांची पुलिस द्वारा गुरुवार को डीएवी नीरजा सहाय स्कूल में साइबर अपराध एवं नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा नशा मुक्त जीवन के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) प्रदीप कुमार, कांके थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक कुणाल कुमार, साइबर अपराध थाना के पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार मिश्रा तथा कांके थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अरविंद कुमार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कस्टमर केयर, निवेश एवं ट्रेडिंग फ्रॉड, पार्ट-टाइम जॉब फ्रॉड, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने के खतरों, फर्जी लिंक तथा एपीके फाइलों से सावधान रहने और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा / कोटेशन आनंत्रण सूचना-21 / 2026-27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 01.07.2026 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 02.07.2026 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.07.2026 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Annual Maintenance and Operation Contract of Fixed Automatic Semi Addressable Fire Alarm System and Fire Fighting System, Installed at Yojna Bhawan, Ranchi, Jharkhand for One Year from 01-07-2026 to 30-06-2027	4785700	95800	5000	12 Months

नोट :- निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या-1, राँची

PR 383205 Building (26-27)_D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
Agriculture, Animal Husbandry & Co-operative Department
(Co-Operative Division)
OFFICE OF THE REGISTRAR, CO-OPERATIVE SOCIETIES JHARKHAND, RANCHI
INTEGRATED CO-OPERATIVE DEVELOPMENT PROJECT (I.C.D.P.) CELL, RANCHI

Short e-Tender Notice

Tender Notice No:- ICDP/RANCHI/ 02/2026-27/RE-1 DATE:- 25.06.2026

SL No.	Name of work	Estimated Value of Work (in Rs)	Cost Of BoQ (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Time Of Completion Of Work
01.	Estamblisment of Solar MFP Processing Unit	14,92,745.00	5000.00	30,000.00	06 Months
02.	Date Of Publication of on Website	02.07.2026 AT 11:00 AM			
03.	Last Date & Time of Submission of bids	11.07.2026 AT 05:00 PM			
04.	Name & Address of Office Inviting Tender	State Monitoring Officer, ICDP Cell, Ranchi,Pasupalan - Sahkarita Bhawan Singh More, Hesag, Hatia, Ranchi. 834003			
05.	Contact No of Procurement Officer	7979760612, 7250895727			

06. Bid document with details terms and conditions will be available online on e-tendering portal, http:// Jharkhandtenders.gov.in from 02.07.2026 at 11:00 AM to 11.07.2026 up to 05:00 PM. Bids must be Submitted online only at the e- tendering portal http:// Jharkhandtender.gov.in on or before 05:00 PM on 11.07.2026. Tender Fee and EMD Will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD. Alternatively, bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from jharhandtenders.gov.in portal. Technical Bid received online will be opened at 05:00 PM on 13.07.2026.
07. Estimate Cost May Vary.
08. Corrigendum/Amendment if any will be published only on the above mentioned website.

Sd/-
State monitoring Officer
ICDP Cell, Ranchi

PR 383294 Co-opretive(26-27)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना
Two Envelope System

ई० निविदा संख्या MID/GUMLA/ F2- 08/2026-27 (4th Call) दिनांक – 23.06.2026

1. ई- निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पता- कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।
2. ई निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मोबाईल नं0 :- मो0 8102451272
3. वेबसाईट में ई-निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :- 27.06.2026 (पूर्वाहन 11:00 बजे से)
4. वेबसाईट में ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :- 04.07.2026 (अपराहन 04:00 बजे तक)
5. ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 06.07.2026 (Technical Bid) (अपराहन 05:00 बजे)

क्र0	योजना का नाम	प्रखण्ड	मद	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि (रुपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य समाप्ति की अवधी
1	2	3	4	5		6	7
1	Construction of R.C.C Culvert (3X4mX2.5m) and (3X3mX2.5m) in Titihi Nala in Titihi Village under Sarita Panchayat in Kamdara Block in Gumla District	कामडारा	अनाबद्ध	9256400.00	185128.00	10000.00	03 माह

नोट:-
(1) केवल ई० निविदा ही स्वीकार की जायेगी।
(2) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
(4) प्राक्कलित राशि घट-बढ़ सकती है। अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार होगी।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश / परिपत्र लागु होंगे।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट- http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।

PR 383348 Minor Irrigation(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरूआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है? क्या समाज में दूषित खानपान, विषाक्त सोच का बाजार, रिश्तों में बढ़ता अविश्वास और एकाकी परिवारों का त्रास युवा पीढ़ी को आक्रामक बना रहा है? मोबाइल संस्कृति की घातकता व तेजी से फैलता नकारात्मक कंटेंट संबंधों में विकृतियां ला रहा है। मोबाइल फोन जो कभी रिश्तों को जोड़ता था, अपराध का साधन बन रहा है। सोनम व राज सिंह की साजिश हो या सिया व चेतन का षड्यंत्र, उसमें मोबाइल भी सहभागी बना है। पुलिस ने भी चेतन से हुई सिया की हजारों कॉलों का विवरण दिया है। आज साजिशें मोबाइल पर ही रची जाती हैं और मोबाइल से ही अंजाम दी जाती हैं। निश्चय ही सोनम व सिया की साजिशें वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की सोच रहे युवाओं के मन में कई तरह के संशयों को जन्म देंगी। वजह साफ है कि इन हत्याओं से रिश्तों में विश्वास का खून हुआ है। नकारात्मक घटनाएं इक्का-दुक्का ही होती हैं लेकिन ये अप्रत्याशित व असमान्य घटनाएं आम आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित करती हैं। जो समाज में सहज-सरल रिश्तों के प्रति अविश्वास पैदा करती हैं। ऐसी सोच का नकारात्मक परिणाम भारतीय आदर्श स्त्री की प्रतिष्ठा पर भी आंच ला सकता है। यही वजह है कि आज नई पीढ़ी के कई युवा विवाह संस्था में प्रवेश से कतराने लगे हैं।

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दशार्ती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दशार्ता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है। इसके बावजूद प्रदूषणरोधी उपकरण लगाने की समय-सीमा और निर्धारित मानकों को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। सही मायने में चेतावनी के बावजूद बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा जुमार्ना लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि साफ हवा औद्योगिक विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है। यही स्थायी व दूरगामी परिणामों वाले विकास की अपरिहार्य शर्त भी है।

ड्रग्स के दलदल में युवा पीढ़ी

युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवसह्न मनाया जाता है।

योगेश कुमार गोयल

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को ह्यअंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवसह्न मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है। इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है। नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है। नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतरराष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा। अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आपातकाल: लोकतंत्र के साथ विश्वासघात

21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

25 जून 1975 की मध्यरात्रि को लागू किया गया आपातकाल लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक स्वतंत्रताओं और संविधान की मूल भावना को कुचलने का प्रयास था। 26 जून 1975 की सुबह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, ₹राष्ट्रपति ने आपातकाल की घोषणा की है। घबराने की कोई बात नहीं है।₹ किंतु यह घोषणा भारतीय लोकतंत्र के लिए भयावह दौर की शुरूआत थी। सत्ता बचाने की लालसा में इंदिरा गांधी ने तानाशाही का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी स्मृतियां आज भी उस पीढ़ी को विचलित कर देती हैं। भारत के लोकतंत्र और राजनीति के लिए यह घोर निराशा का समय था। लोकतंत्र को ठेंगे पर रख कर देश को आपातकाल की गहरी खाई में धकेलने के पीछे महज किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहने की घृणित लालसा व तानाशाही मनोवृति थी। 21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, मुरली मनोहर जोशी, प्रकाश सिंह बादल, चौधरी चरण सिंह, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। मीसा बंदियों को परिवार के सदस्यों से मिलने की छूट नहीं थी। रात दो बजे उनका स्थानांतरण एक से दूसरे जेल में किया जाता था, जिससे उनके समर्थन में कोई प्रदर्शन न कर सके। इमरजेंसी के दौरान न केवल जेल में आंदोलनकारियों पर जुल्म ढाए गए, बल्कि आम लोगों को भी सरकारी प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। देशभर में लाखों लोगों को बिना वजह जेल में डाल दिया गया। क्रूर यातनाएं दी गईं। नाखून, दाढ़ी के बाल उखाड़ने, सिगरेट से दागने, पंखे से उलटा लटकाने, बर्फ पर लिटाने और मूत्र पिलाने जैसे अमानवीय कृत्य किए गए। इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी के नेतृत्व में नसबंदी अभियान चलाया गया। आपातकाल के दो वर्षों में 1.07 करोड़ नसबंदी की गईं। कहा जाता है कि इस अभियान में अविवाहित युवकों की भी जबरन नसबंदी कर दी गई। कई राज्यों ने आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को नसबंदी से जोड़ दिया। जिन लोगों के दो या तीन से अधिक बच्चे थे और जिन्होंने नसबंदी कराने से इनकार कर दिया, उन्हें राशन, आवास, नौकरी, स्वास्थ्य सेवा और ऋण से वंचित कर दिया गया। आपातकाल के दौरान दिल्ली पर लिखी अपनी पुस्तक में, नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन दयाल और पत्रकार अजय बोस ने लिखा है कि अधिकारियों पर नसबंदी के निर्धारित कोटे को पूरा करने का भारी दबाव था। कनिष्ठ अधिकारियों ने इस आदेश को बेरहमी से लागू किया-संविदा श्रमिकों से कहा गया, ₹जब तक आप नसबंदी नहीं करवाते, तब तक कोई अग्रिम भुगतान नहीं, कोई नौकरी नहीं। दिल्ली जैसे शहरी केंद्रों में बेरहमी से लगभग 120,000 झुग्गी-झोपड़ियों को ढहाने की कार्रवाई ने हजारों लोगों को बेघर कर दिया और जिससे अकेले दिल्ली में लगभग 700,000 लोग विस्थापित हो गए। उनके कल्याण की कोई चिंता नहीं की गई। दिल्ली के तुर्कमान गेट में झुग्गी-झोपड़ियों को ध्वस्त करने की सबसे भीषण घटनाओं में से एक हुई, जो एक मुस्लिम बहुल इलाका है, जहां पुलिस ने विध्वंस का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई, जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हो गए। 25 जून की रात दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग की बिजली काट दी गई। वहां कई अखबारों के दफ्तर थे। मकसद था अखबारों को छपने से रोकना. स्टेट्समैन और हिंदुस्तान टाइम्स का दफ्तर कहीं और था तो उनके अखबार निकल गए। हालांकि उन्हें बांटे जाने से रोका गया। सभी न्यूज एजेंसियों और अखबारों को कहा गया कि जो कुछ भी वह छापेंगे, उसे पहले सेंसर को दिखाना होगा। सेंसर की मंजूरी मिलने के बाद ही कोई चीज छापी या प्रसारित की जा सकती थी। अगले दिन दिल्ली के इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स ने विरोध जताने के लिए संपादकीय पन्ने को काला कर दिया। आपातकाल में सर्वाधिक उत्पीड़न आरएसएस व जनसंघ के कार्यकताओं का किया गया। डरी हुई सरकार ने आपातकाल लगाने के पांच दिन बाद ही सरसंघचालक बालासाहब देवरस को गिरफ्तार कर लिया। जयप्रकाश नारायण ने अपनी गिरफ्तारी से पहले लोक संघर्ष समिति का नेतृत्व संघ के पूर्णकालिक नानाजी देशमुख को सौंप दिया था, बाद में उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। आरएसएस, जनसंघ, एबीवीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक थे। मीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 कार्यकर्ता अधिकांशतः बंदीगृहों और कुछ बाहर आपातकाल के दौरान बलिदान हो गए। उनमें संघ के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख पांडुरंग क्षीरसागर भी थे। इसके बावजूद आरएसएस ने पूरी दृढ़ता से देश के साथ हो रहे अन्याय का पुरजोर विरोध किया।

इंदिरा गांधी केवल आपातकाल लागू कर संतुष्ट नहीं हुईं। उन्होंने इसी अवधि में 42वां संविधान संशोधन भी कराया, जिसे संविधान के इतिहास के सबसे व्यापक और विवादास्पद संशोधनों में गिना जाता है। आलोचकों ने इसे ₹मिनी संविधान₹ तक कहा। आपातकाल का दौर भारत के लिए एक कड़वा सबक था। यह दौर भारतीय लोकतंत्र की दृढ़ता की सबसे कठोर परीक्षा थी इसमें कई संस्थाएं पंगु बनी, वहीं कुछ ने अधिक प्रतिरोध कर संवैधानिक चेतना को जीवित रखा। ऐसी विषम परिस्थितियों में भी लोकतंत्र के पुनरुत्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का महत्वपूर्ण योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पुस्तक ₹द इमरजेंसी डायरीज₹ में आपातकाल के दौरान के अनुभवों का उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि उस समय वे एक युवा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचारक थे और लोकतंत्र की रक्षा के लिए चल रहे आंदोलन से जुड़े थे। उनके अनुसार, आपातकाल का दौर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के महत्व को समझने का एक बड़ा अनुभव था।

हर दिन बढ़ रही भक्तों की कतार... वैष्णो देवी में आस्था ने रचा रिकॉर्ड

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित पवित्र गुफा मंदिर श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा ने 22 जून को 50 लाख श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार कर इस साल एक अहम उपलब्धि हासिल की है। एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल इसी अवधि में तीर्थस्थल पर आने वाले 39.84 लाख दर्शनार्थियों की तुलना में यह 27.3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

अटूट आस्था और श्रद्धा का प्रमाण

श्राइन बोर्ड के एक प्रवक्ता ने कहा कि साल 2025 की इसी अवधि में लगभग 39.84 लाख तीर्थयात्रियों ने इस पवित्र मंदिर के दर्शन किए थे, जबकि इस साल यात्रा में 50.70 लाख तीर्थयात्री आए हैं, जो 10.86 लाख श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है। तीर्थयात्रियों की संख्या में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी, देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की इस पवित्र तीर्थ-स्थल के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का प्रमाण है।

प्रवक्ता ने कहा कि तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा की गई व्यवस्थाओं और यात्रा के प्रबंधन से जुड़े सभी पक्षों के आपसी सहयोग पर श्रद्धालुओं के भरोसे को भी दशार्ती है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में, श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए तीर्थयात्रा के अनुभव को सुगम, सुरक्षित और आरामदायक बनाने के लिए व्यापक उपाय किए हैं।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, ठहरने की सुविधाओं, साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन प्रणालियों, स्वास्थ्य सेवाओं, बैटरी कार संचालन, रोपवे सेवाओं, आपदा प्रबंधन की तैयारियों और डिजिटल पहलों में लगातार सुधार से तीर्थयात्रियों की सुविधा और कुल मिलाकर सेवा वितरण में काफी बेहतरी आई है। साल की इस अवधि तक 50 लाख का आंकड़ा पार करना श्रद्धालुओं के बीच बढ़ते उत्साह को दशार्ता है और साल के बाकी महीनों में यात्रा की निरंतर प्रगति के लिए शुभ संकेत है।

टिप्स

आप भी डिनर के बाद रोज खाते हैं आइसक्रीम? देर से पचता है खाना, ब्लोटिंग का खतरा

गर्मियों के मौसम में रात का खाना खाने के बाद ज्यादातर लोग मीठे में आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं। अगर, आप अधिक मात्रा में नियमित रूप से आइसक्रीम खाते हैं तो इससे डायबिटीज, मोटापा और डाइजेशन की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, यह आदत आपकी नींद को प्रभावित कर अनिद्रा का कारण बन सकती है। कुछ लोग दिनभर की थकान के बाद रात के खाने के साथ या उसके बाद ठंडी-मीठी आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं। कुछ लोग इसे मूड फ्रेश करने वाला डेजर्ट मानते हैं, तो कुछ इसे खाने के बाद होने वाली क्रेविंग का आसान समाधान समझते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या डिनर के बाद आइसक्रीम खाना शरीर के लिए सुरक्षित है या इससे पाचन, वजन और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है?

जानकारों के अनुसार, कभी-कभार सीमित मात्रा में आइसक्रीम खाना नुकसानदायक नहीं माना जाता, लेकिन यदि आप रोजाना रात में ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो कई इससे पाचन प्रक्रिया धीमी होने, ब्लोटिंग, गैस, ब्लड शुगर में बढ़ोतरी और नींद में खलल जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

डिनर के बाद आइसक्रीम खाने से शरीर में क्या असर होता है?

एनसीबीआई के अनुसार हैवी फूड के साथ आइसक्रीम खाने से पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है। दरअसल, आइसक्रीम में आमतौर पर शुगर, सैचुरेटेड फैट और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। जब आप भारी भोजन के तुरंत बाद आइसक्रीम खाते हैं, तो शरीर को एक साथ ज्यादा कैलोरी और शुगर प्रोसेस करनी पड़ती है। रिसर्च बताती है कि रात में शरीर की मेटाबॉलिक गतिविधि दिन के मुकाबले थोड़ी धीमी हो जाती है। ऐसे में अतिरिक्त शुगर और फैट शरीर में जमा होने लगते हैं। इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है और कुछ समय बाद अचानक गिर भी सकता है, जिसके कारण देर रात भूख या सुस्ती महसूस हो सकती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

योजना के कार्यों में अपेक्षित गति लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उन्हें पूर्ण किया जाए : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में झारखंड विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विद्युत योजनाओं की प्रगति क्रियान्वयन की स्थिति तथा लंबित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान विशेष रूप से मुख्यमंत्री उज्जवल झारखंड योजना पुनरूत्थान वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया। उपायुक्त ने एमयुजेवाई योजना और पीभीटीजी विद्युतीकरण के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों व कार्य एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के कार्यों में अपेक्षित गति लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उन्हें पूर्ण किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विद्युत सुविधा का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके जिसमें विद्युत आपूर्ति से संबंधित आधारभूत संरचनाओं के विकास, विद्युतीकरण कार्यों की गुणवत्ता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाओं के कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए इस में किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर कर कार्यों को गति प्रदान की जाए।वहीं आरडीएसएस योजना की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि योजना के अंतर्गत कार्यरत संवेदक एजेंसी द्वारा कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। इस पर उपायुक्त ने असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यकारी एजेंसी को कार्य में तेजी लाने, संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मौके पर कार्यपालक अभियंता शंभुनाथ चौधरी समेत सहायक अभियंता, कनीय अभियंता उपस्थित थे।

आधार सेवाओं की समीक्षा व सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर

संवाददाता

साहिबगंज: उपायुक्त दीपक कुमार दूबे के अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में आधार नामांकन और अद्यतन सेवाओं को अधिक सुलभ पारदर्शी प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न आधार केंद्रों की कार्यप्रणाली आधार नामांकन एवं अद्यतन सेवाओं की वर्तमान स्थिति तथा नागरिकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिसमें प्रखंड पंचायत डाकघर, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक शिक्षा विभाग बैंकिंग संस्थानों, महिला एवं बाल विकास विभाग बीएसएनएल के माध्यम से संचालित स्थायी आधार केंद्रों की स्थिति आधार मशीनों की उपलब्धता ऑपरेटरों की नियुक्ति सॉफ्टवेयर अद्यतन व सेवा संचालन की समीक्षा की गई। साथ ही100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लाभुकों के सत्यापन कार्य के प्रगति का भी मूल्यांकन किया गया। जबकि विभिन्न प्रखंडों में प्राप्त आधार संबंधी आवेदनों के निष्पादन लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे तथा सेवा वितरण में सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मंडल कारा साहिबगंज व उपकारा राजमहल में आधार मशीनों के संचालन, जिला स्तरीय आधार केंद्र की स्थापना कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से एएसके आधार केंद्रों के विस्तार पर भी विचार-विमर्श किया गया।इसके अतिरिक्त सभी आधार केंद्रों के नियमित भौतिक सत्यापन व पर्यवेक्षण विभिन्न सरकारी योजनाओं में आधार सीडिंग को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया गया। बैठक में आधार कार्यों से संबंधित शिकायतों की जांच, 05 से 07 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक एवं मोबाइल नंबर अद्यतन, नागरिक शिकायतों के त्वरित समाधान, आधार मशीनों की मरम्मत,आधार केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार तथा व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों को और सुदृढ़ करने संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई। वही उपायुक्त ने जिला-स्तरीय पदाधिकारियों को नामित कर आधार केन्द्रों का औचक निरक्षण करने को निर्देश दिया ।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष के परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार, इंडियन पोस्ट बैंक प्रतिनिधि सीएससी मैनेजर उपस्थित थे।

निर्जला एकादशी पर निकला खादू श्याम निशान यात्रा मंदिर में पूजन करके प्रसाद वितरण

संवाददाता

साहिबगंजःनिर्जला एकादशी व्रत के पावन पर्व पर शहर के डाकीनाथ मंदिर परिसर से खाटू श्याम मंदिर पुरोहित सोनू पांडे के नेतृत्व में खाटू श्याम बाबा जी का भव्य निशान यात्रा श्याम भक्तों ने निकाली।निशान यात्रा डाकीनाथ मंदिर से निकलकर चौक बाजार,गांधी चौक,बाटा रोड, स्वामी विवेकानंद चौक,जेएन रॉय रोड,गोपालपुल, भरतीया कॉलोनी होते हुए पुरुषोत्तम गली स्थित श्याम मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुआ।निशान यात्रा में जय श्री श्याम के खूब जयकारा भक्तों ने लगाया।वही श्री खाटू श्याम मंदिर कमिटी सचिव अंकित केजरीवाल ने बताया कि निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर खाटू श्याम बाबा का विशेष पूजन,ज्योत,मंदिर में भजन संध्या में भक्तों ने बाबा का भजन किया,श्याम बाबा को भोग लगाया गया ओर भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर वार्ड पार्षद सुशील भरतीया, अंकित शर्राफ,सुरेश निर्मल,अक्षय कुमार,सूरज पांडे,देव पारीक,ज्योति अग्रवाल,सोनी भगत,सनी चौधरी, अंजना भरतीया,बबीता केजरीवाल सहित सैकड़ो महिला पुरुष श्याम भक्त उपस्थित थे।

गठिया साइटिका और जोड़ों के दर्द के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़

- 225 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण
- नि:शुल्क दवाओं का किया गया वितरण

संवाददाता

साहिबगंज: शहर के मछुआ सोसायटी, कॉलेज रोड स्थित पोद्दार होम्योपैथी क्लीनिक द्वारा गुरुवार को गठिया, साइटिका, घुटना दर्द,कमर दर्द एवं अन्य जोड़ों से संबंधित रोगों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क परामर्श एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त कर निःशुल्क दवाएं लीं।शिविर का शुभारंभ सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ.रामदेव पासवान,जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक श्रीवास्तव,मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह,झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी के सचिव डॉ.सच्चिदानंद, शिक्षाविद् डॉ.सुरेंद्रनाथ तिवारी पूर्व वार्ड पार्षद उपेंद्र राय,डॉ.सूयार्नंद प्रसाद व डॉ.उमा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ.रामदेव पासवान ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य लोगों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना और समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गठिया,साइटिका और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याएं बढ़ती उम्र के साथ-साथ असंतुलित खान-पान, शारीरिक निष्क्रियता और बदलती जीवनशैली के कारण भी तेजी से बढ़ रही हैं।जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एक सराहनीय समाजोपयोगी पहल है।झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी के सचिव डॉ.सच्चिदानंद ने कहा कि पोद्दार होम्योपैथी क्लीनिक समय-समय पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर समाज सेवा की उत्कृष्ट परंपरा का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने क्लीनिक के संस्थापक परिवार की सेवा भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की।क्लीनिक के चिकित्सक डॉ.सूयार्नंद प्रसाद ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से गठिया, अर्थराइटिस,साइटिका एवं जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में प्रभावी राहत प्रदान की जा सकती है।

जिला प्रशासन युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है : सतीश चंद्रा

दंतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर 153 अभ्यर्थियों का चयन

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सरकार के श्रम नियोजन प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग रांची के तत्वावधान में जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर साहिबगंज द्वारा आज सिद्धो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में एक दिवसीय दंतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। मेले में जिले एवं राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित नियोजकों की सहभागिता रही है।जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला।रोजगार मेले में कुल 15 नियोजक संस्थानों ने भाग लिया तथा विभिन्न तकनीकी व गैर-तकनीकी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया संचालित की गई। मेले में 1957 रिक्तियों के विरुद्ध चयन प्रक्रिया आयोजित की गई।जिसमें 153 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।जबकि 313 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इसके अतिरिक्त उद्योग विभाग जेएसएलपीएस एवं आरसेटी द्वारा 87 युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के माध्यम से अपने भविष्य को सशक्त बनाने का संदेश दिया।जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-जिला कौशल पदाधिकारी श्री मनोज मनजीत ने उपस्थित अभ्यर्थियों एवं नियोजकों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देते हैं।कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला प्रशासन नियोजन विभाग विभिन्न नियोजक संस्थानों प्रशिक्षण संस्थानों व सहयोगी विभागों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया।

प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए : निहारिका सिन्हा

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल: मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज में गुरुवार को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व्यक्तित्व करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में सुश्री निहारिका सिन्हा युपीएससी-2026 के स्वागत प्रतिभासम्मान सह करियर परामर्श संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपने भविष्य एवं करियर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर व शहीद सिदो कानू तस्वीर पर पुष्प माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र स्मृति-चिह्न, काशी विश्वनाथ धाम स्मृति एवं पौधा भेंट कर किया गया। स्वागत भाषण में महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।अपने प्रेरणादायी संबोधन में सुश्री निहारिका सिन्हा ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन व निरंतर प्रयास की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी तैयारी की यात्रा चुनौतियों उनसे प्राप्त अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि असफलताएं सफलता की राह में बाधा नहीं बल्कि सीखने का अवसर होती हैं। और प्रत्येक विद्यार्थी को आत्म विश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।सुश्री सिन्हा ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के अवसरों, करियर विकल्पों तथा व्यक्तित्व विकास से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के संतुलित उपयोग,अध्ययन की प्रभावी रणनीति तथा मानसिक दृढ़ता बनाए रखने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उनके संबोधन को विद्यार्थियों ने अत्यंत रुचि एवं उत्साह के साथ सुना छात्रा तनु अन्य छात्रों ने प्रश्न उत्तर किया जिसका जवाब निहारिका सिन्हा ने सहज संतुष्ट उत्तर दिया।कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवाद सत्र में छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी समय प्रबंधन विषय चयन, करियर निर्माण तथा सफलता के विभिन्न पहलुओं से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। सुश्री सिन्हा ने सभी प्रश्नों का सरल, व्यावहारिक एवं प्रेरक उत्तर देते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए तथा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। उन्होंने कहा कि गलतियों से सीखना चाहिए, लेकिन एक ही गलती को बार-बार नहीं दोहराना चाहिए। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचि योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप करियर का चयन करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत ईमानदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होते। जबकि समापन अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। और युवा पीढ़ी को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।रक्त दाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही 90 दोनों के बाद कोई भी स्वस्थ युवा युवती अन्य व्यक्ति रक्त दान जरूर करें।इस अवसर पर अतिथि डॉ. सुब्रत सिंह, पिता श्री निरंजन सिन्हा, श्री ओमप्रकाशसिंह, राजेन्द्र पहाड़िया महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. रमजान अली एवं डॉ. अमित कुमार सहित शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं सफल आयोजन महाविद्यालय परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ। उपस्थित विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए ऐसे आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा व्यक्त की।

न्यूज IN ब्रीफ

महिला महाविद्यालय साहिबगंज में वाणिज्य कला संकाय में नामांकन प्रारम्भ

साहिबगंज: महिला महाविद्यालय साहिबगंज में शैक्षणिक सत्र 2026-30 के लिए वाणिज्य एवं कला संकाय में नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है।जिसकी जानकारी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ध्रुव ज्योति सिंह ने दिया।उन्होंने बताया कि इच्छुक छात्राएँ चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।नामांकन के लिए छात्राएँ सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकती हैं।नामांकन हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 08 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि आवेदन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए छात्राएँ कार्य दिवसों में महाविद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ध्रुव ज्योति सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षिकाओं द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ-साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।उन्होंने कहा कि छात्राओं की शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए महाविद्यालय प्रशासन सदैव तत्पर रहता है।उन्होंने छात्राओं एवं अभिभावकों से अपील की कि वे समय रहते ऑनलाइन आवेदन कर नामांकन सुनिश्चित करें।महाविद्यालय का शांत,स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण छात्राओं के उत्कृष्ट शैक्षणिक विकास के लिए अत्यंत अनुकूल है।

मुहर्रम जुलूस में चाकूबाजी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : जिले के लोहसिघना थाना क्षेत्र में मुहर्रम जुलूस के दौरान बुधवार को हुई चाकूबाजी की घटना के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मो आदिल और मो फरहान को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। लोहसिघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा ने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान लोहसिघना इलाके में चाकूबाजी की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए घायल युवकों के परिजनों ने लोहसिघना थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि चाकूबाजी में घायल हुए दोनों युवकों को पहले इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया था। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची रेफर कर दिया है। फिलहाल पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

मोहर्रम को लेकर केसडा और घुघुलिया में प्रशासन का फ्लैग मार्च

टाटीझरिया : टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम केसडा एवं घुघुलिया में मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। गुरुवार को सीओ अमित कुमार झा, बीडीओ रश्मि खुशबू मिंज और टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल के जवानों ने दोनों गांवों का भ्रमण किया। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांति का प्रतीक है। सभी लोग इसे पूरी तरह से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं। शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कानूनन सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदेहास्पद गतिविधि मिलने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें। फ्लैग मार्च में पुलिस बल के जवान और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिक शामिल रहे।

विधायकों ने पथ मरम्मत के कार्य का किया शिलान्यास

इचाक : इचाक और कटकमसांडी प्रखंड को जोड़ने वाला करीब 18 किलोमीटर लंबी पथ के मरम्मत कार्य का शिलान्यास बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव और सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया। दोनों विधायकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 33 के इचाक मोड़ के पास नारियल फोड़कर विधिवत पूजा किया। मौके पर विधायक ने कहा कि यह सड़क इचाक और कटकमसांडी के लिए लाइफ लाइन की तरह है। सड़क में जगह-जगह गड्ढे बन गए थे जिसके चलते लोगों को आने जाने में अधिक समय लगता था। समस्या को देखते हुए 13 करोड़ की लागत से निर्माण एजेंसी जय मां अंबे इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा मरम्मती कार्य किया जाना है।

उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोगों से कहा कि ठेकेदार द्वारा नियमों के अनदेखी की सूचना तुरंत विभाग और जनप्रतिनिधि को दें ताकि कार्य को सुचारू रूप से प्राक्कलन के मुताबिक कराया जा सके। मौके पर ठेकेदार शुभम कुमार ,भाजपा के जिला मंत्री निरंजन कुमार मेहता, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गोपाल कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेश साव, तुलेश्वर साव, अर्जुन शव,सचिन शव,शिकारी सिंह के अलावा कई ग्रामीण युवा और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

दृढ़ संकल्प से किसी भी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है : रंजीत

साहिबगंज/राजमहल: झारखंड पीजीटी शिक्षक भर्ती परीक्षा में मनोविज्ञान विषय से साहिबगंज जिले के एकमात्र चयनित अभ्यर्थी बनने का गौरव जयप्रकाश नगर, सकरुगढ़, साहिबगंज निवासी मुकेश कुमार, पिता श्री विश्वनाथ गोंड व माता श्रीमती मीना देवी ने प्राप्त किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। उन्हें लगातार बधाइयाँ मिल रही हैं।इस अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने मुकेश कुमार को आपने आवास पर मिठाई खिला कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि साहिबगंज जिले से एकमात्र चयनित अभ्यर्थी बनना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह सफलता मुकेश कुमार की कड़ी मेहनत, अनुशासन, समय प्रबंधन, धैर्य, एनएसएस कार्यकर्ता और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुकेश कुमार एक कुशल व प्रेरणादायी शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से निरंतर अध्ययन, सकारात्मक सोच, समय के प्रभावी प्रबंधन आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास सही रणनीति और दृढ़ संकल्प से किसी भी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है।अपनी सफलता पर मुकेश कुमार ने सफलता का श्रेय माता मीना देवी अपने शिक्षकों, विशेष रूप से डॉ. रणजीत कुमार सिंह के मार्गदर्शन मुकेश कुमार ने बताया कि समय प्रबंधन, धैर्य, निरंतर मेहनत, पुस्तकालय प्रति दिन जाना, दोस्तों के साथ ग्रुप में चर्चा एवं लगन को दिया। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी, माता-पिता व परिवार के सभी सदस्यों के सहयोग, प्रोत्साहन और कठिन समय में मिले नैतिक समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया।

'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका की मशहूर वेब सीरीज 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन 6 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आना शुरू हो चुका है। इससे पहले प्रियंका फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं। प्रियंका जल्द ही निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

प्रियंका ने निक को कहा 'बेस्ट डैड'

प्रियंका चोपड़ा ने फादर्स डे पर सोशल मीडिया पर बेटी मालती मैरी के साथ निक जोनस की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसकी के साथ प्रियंका ने निक को 'बेस्ट डैड' का खिताब भी दिया है। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने फादर्स डे के मौके पर अपने पति निक जोनस के लिए सोशल मीडिया पर एक बहुत ही प्यारा मैसेज शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने निक और अपनी बेटी की एक खूबसूरत तस्वीर भी पोस्ट की है, जिसे देखकर फैंस बेहद खुश हैं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसमें निक और उनकी बेटी मालती मैरी एक गोल्फ कोर्स में टहलते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में मालती ने गुलाबी रंग की हुडी और लाल शॉर्ट्स पहने हुए हैं। प्रियंका और निक साल 2022 में माता-पिता बने थे। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।

पंकज कपूर ने खोला किंग खान के बचपन का राज

क्या कैंटीन में समोसे पहुंचाते थे शाहरुख?

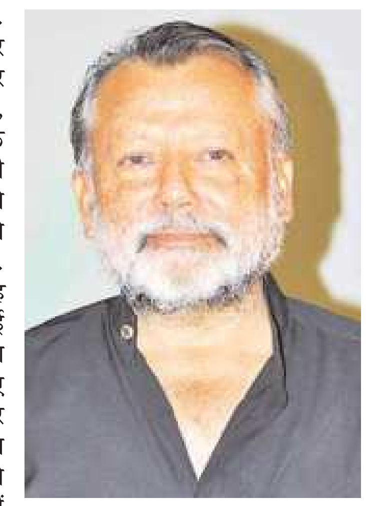

शाहरुख खान आज बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं. 'पठान' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से उन्होंने एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा साबित किया. एक्टर पंकज कपूर ने शाहरुख के बचपन से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया है, जिसे शायद ही फैंस जानते होंगे. पंकज ने बताया कि बचपन में किंग खान नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की कैंटीन में समोसे दिया करते थे. पंकज कपूर ने पॉडकास्ट किंडल कास्ट के यूट्यूब चैनल में अपने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के दिनों को याद किया. उन्होंने बताया कि 70 के दशक में जब वह दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई कर रहे थे, तब एक छोटा बच्चा कलाकारों के लिए इंटरवल के दौरान समोसे और रिफ्रेशमेंट लेकर आता था. पंकज ने कहा, 'वे समोसे कोई और नहीं बल्कि शाहरुख खान लाया करते थे. उस वक्त वह करीब 10 साल के थे.' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है वो स्कूल ऑफ ड्रामा की कैंटीन में खड़े रहते थे. शायद उस समय उनके पिता या चाचा कैंटीन चलाते थे. '

दीया मिर्जा ने सलमान खान की भविष्यवाणी को किया याद

'एक दिन तू मेरी मां का रोल करेगी'

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान को अपने खूबसूरत घर पर उनके यूट्यूब चैनल के लिए आमंत्रित किया, और दोनों ने साथ मिलकर हेल्दी बनाना ब्रेड भी बनाई। इस मजेदार कार्यक्रम के दौरान, दीया ने अभिनेता सलमान खान के साथ फिल्म 'तुमको ना भूल पाएंगे' की शूटिंग के दिनों को याद किया, जिसमें सुष्मिता सेन उनकी को-स्टार थीं। जब फराह ने सुझाव दिया कि दीया मिर्जा को सलमान के साथ फिर से काम करना चाहिए, तो एक्ट्रेस ने कहा कि अब वह युवा अभिनेत्रियों के साथ काम करेंगे। दीया ने उस समय को याद किया जब सलमान ने उनके करियर के शुरुआती दिनों में उनसे कहा था कि एक दिन वह पर्दे पर उनकी मां का किरदार निभाएंगी। दीया ने कहा कि उन्होंने मेरी पहली फिल्म में ही मुझसे कहा था कि देखना एक दिन तू मेरी मां का रोल करेगी। दीया ने बताया कि सलमान की भविष्यवाणी सुनकर वह बेहद भयभीत हो गई थीं। मैं 19 साल की थी। मैं, राजपाल यादव और एसके (सलमान खान) एक शॉट का इंतजार कर रहे थे। फिल्म में सलमान की मां का किरदार निभाने वाली एक महिला थीं। उन्होंने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था। दीया ने सलमान से कहा कि ये तुम्हारी मां का किरदार निभा रही हैं, और उन्होंने अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है, मतलब वो काफी जवान होंगी। इस पर सलमान ने कहा कि चिंता मत करो, तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा।

मुझे महिलाओं का स्मोकिंग करना पसंद नहीं

किसी को कपड़ों से जज करना सही नहीं : शिल्पा शिंदे

आज के समय में 'फेमिनिज्म' शब्द लगातार चर्चा में रहता है। सोशल मीडिया से लेकर फिल्मों और इंटरव्यू तक, इसकी अलग-अलग परिभाषाएं देखने को मिलती हैं। इस बीच अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने दिए इंटरव्यू के दौरान इस पर अपनी अलग राय पेश की है। शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मेरा मानना है कि असली पहचान बाहरी दिखावे से नहीं आती, बल्कि आत्मविश्वास, मूल्यों और खुद को समझने की क्षमता से होती है। यह जरूरी नहीं है कि कोई महिला क्या पहन रही है या कैसे दिखती है, बल्कि यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने जीवन को कितनी स्पष्टता से समझती है।' इसी बातचीत में शिल्पा शिंदे ने खुद को 'थोड़ा पारंपरिक सोच वाली' बताया। उन्होंने कहा, ''यह मेरी निजी सोच है कि मुझे महिलाओं का धूम्रपान करना पसंद नहीं है। कई लोग धूम्रपान या लाइफस्टाइल को मॉर्डिनिटी से जोड़ देते हैं, लेकिन मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं। किसी आदत को मॉर्डिनिटी का पैमाना नहीं माना जा सकता।'' शिल्पा शिंदे ने आगे कहा, ''मेरे लिए मॉर्डिनिटी का मतलब अलग है। सिर्फ धूम्रपान करना, शराब पीना या अलग तरह के कपड़े पहनना किसी को बोल्ड नहीं बनाता। असली बोल्डनेस वह है, जब कोई व्यक्ति अपने विचारों पर मजबूत हो, अपने फैसलों को समझता हो और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीता हो। बाहरी दिखावा और असली व्यक्तित्व दो अलग चीजें हैं, जिन्हें अक्सर लोग गलत तरीके से जोड़ देते हैं।'' शिल्पा शिंदे ने कहा, ''कपड़े और सोच का आपस में कोई सीधा संबंध नहीं होता। किसी व्यक्ति की मानसिकता उसके पहनावे से तय नहीं होती। कोई व्यक्ति साड़ी पहनकर भी मॉडर्न सोच रख सकता है और कोई मॉडर्न कपड़े पहनकर भी पुराने विचारों वाला हो सकता है। इसलिए किसी को उसके कपड़ों से जज करना सही नहीं है।' शिल्पा शिंदे ने कहा, ''मुझे व्यक्तिगत रूप से साड़ी पहनने वाली महिलाएं ज्यादा पसंद हैं, लेकिन यह मेरी फैशन या पसंद की बात है, न कि सोच की। एक महिला के लिए सबसे जरूरी चीज यह है कि वह खुद को समझे, अपने मूल्यों को जाने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीए । यही सच्ची मजबूती है।''

एफआईएच प्रो लीगः शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

लंदन : एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए। मुकाबले की शुरूआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थॉमस सोर्सबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने हार नहीं मानी और दो मिनट बाद सुमित के शानदार मूव पर दिलप्रीत सिंह ने जोरदार शॉट लगाकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।

महिला टी20 विश्व कपः ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल : ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय समयानुसार शुक्रवार को नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ड्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। 209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरूआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

फीफा विश्व कपः पैराग्वे से गोलरहित ड्रॉ खेलकर ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पैराग्वे के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरूआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरूआती एकादश में छह बदलाव

किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया।

मैच के शुरूआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जॉर्डन बॉस और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार ऑस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए। 89वें मिनट में जॉर्डन बॉस का तेज शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया। वहीं मौरिसियो के अंतिम प्रयास को ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने आसानी से रोक लिया।

इस ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया सात अंकों के साथ ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट चरण में पहुंच गया। अब उसका मुकाबला ग्रुप जी की उपविजेता टीम से होगा। दूसरी ओर, चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा पैराग्वे अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होने की उम्मीद लगाए बैठा है।

मप्र के रतलाम में मुहर्रम जुलूस के दौरान हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया, 3 की मौत, 7 गंभीर

एजेंसी

रतलाम : मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में पिपलोदा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हतनारा में गुरुवार रात मुहर्रम जुलूस के दौरान ताजिया हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया। इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग करंट की चपेट में आकर झुलस गए। इनमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बुरी तरह झुलसे 7 लोगो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जुलूस में करीब 200 लोग शामिल थे। इसी दौरान लगभग 20 फीट ऊंचाई पर गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन से ताजिया टकरा गया। बिजली लाइन काफी नीचे थी। ताजिया के संपर्क में आते ही करंट फैल गया और आगे चल रहे कई लोग जमीन पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शी इमामुद्दीन मंसूरी ने बताया कि

जुलूस के दौरान इसी ताजिया के हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से करंट फैल गया। हादसे के समय मौके पर न पुलिस थी और न ही बिजली विभाग का कोई कर्मचारी। ताजिया में बिजली का करंट फैलने के बाद भगदड़ मच गई। कई लोग जमीन पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ही मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान रशीद खान, सड्डू हुसैन और अरबाज खान के रूप में हुई है। हालांकि, अरबाज के परिजन उसे अस्पताल से कहीं और ले गए। इस कारण प्रशासन ने 2 मौतों की पुष्टि की है, जबकि ड्यूटी डॉक्टर रविंद्र सोलंकी ने तीन मौतों की पुष्टि की है। सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 की हालत गंभीर है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटना पिपलोदा के हतनारा गांव की है।

मेडिकल कॉलेज में भर्ती घायलों में अनास (16) पुत्र अकरम, मोइन शाह (35) पुत्र इश्क शाह, रहीम खान, अख्तियार खान, इरफान, शाहरुख, शकील, रईस, मोहम्मद और वहीद शामिल हैं। वहीं इब्राहिम पुत्र हनीफ को रतलाम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रतलाम मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात डॉ. रविंद्र सोलंकी ने बताया कि तीन लोगों की पहले ही मौत हो चुकी थी। उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। तीन मृतकों में से दो के परिजन औपचारिक कागजी प्रक्रिया पूरी किए बिना उन्हें अपने साथ ले गए। उन्हें बता दिया गया था कि उनकी धड़कनें बंद हो चुकी हैं। एक शव को मेडिकल कॉलेज की मॉच्यूरी में रखवाया गया। रतलाम एएसपी राकेश पंद्रो ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि हाईटेंशन लाइन की ऊंचाई और सुरक्षा मानकों में कहीं कोई लापरवाही तो नहीं हुई।

इधर, घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें करंट लगने के बाद जुलूस में अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। लोग चीखते-चिल्लाते नजर आ रहे हैं, जबकि कई लोग जमीन पर पड़े दिख रहे हैं। आसपास के लोग घायलों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

मोहर्रम जुलूस के दौरान करंट लगने से किशोर की गई जान

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कोतवाली थाना क्षेत्र के सेंवई मंडी के पास शुक्रवार भोर में मोहर्रम जुलूस देखने गए किशोर की करंट लगने में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि नगर के मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के बहादुरगंज निवासी कासिम का 17 वर्षीय बेटा हमजा मोहर्रम जुलूस देखने के लिए गया था। कोतवाली थाना क्षेत्र के सेंवई मंडी के पास किसी पोल से वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर खबर मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंचे। पुलिस ने मृतक हमजा के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है।

शिमला में आधी रात खाई में गिरी कार, एक की मौत, चार घायल

एजेंसी

शिमला : शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में बीती मध्यरात्रि एक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ सफर कर रहे चार लोग घायल हो गए। हादसा जोगनी क्षेत्र में हुआ जब एक ऑल्टो के-10 कार सड़क से नीचे जा गिरी। मृतक औ? सभी घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार रामपुर के तकलेच पुलिस चौकी अंतर्गत गांव मुनिष बाहली के रहने वाले 29 वर्षीय जय प्रकाश पुत्र सुंदर लाल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में कहा गया है कि 25 जून की रात करीब 11:45 बजे वह अपने गांव के ही पीकी राम, सरजन, ज्योति प्रकाश और ललित के साथ ऑल्टो के-10 कार

(एचपी-06बी-5765) में यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान जोगनी के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे गिर गया।

हादसे के बाद वाहन में सवार सभी पांच लोगों को उपचार के लिए महात्मा गांधी चिकित्सा सेवा परिसर (एमजीएमएससी) खनेरी पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने चालक पीकी राम (40) पुत्र भीषण को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना में सरजन (36) पुत्र श्याम लाल, ज्योति प्रकाश (37) पुत्र रूप सिंह, ललित (27) पुत्र किशन और जय प्रकाश (29) पुत्र सुंदर लाल घायल हुए हैं। चारों का रामपुर के खनेरी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस में दर्ज बयान के अनुसार दुर्घटना चालक के वाहन पर नियंत्रण खो देने के कारण हुई। शिकायत में वाहन को लापरवाही और तेज गति से चलाने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत रामपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच रामपुर थाना के तहत तकलेच पुलिस चौकी द्वारा की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया का रहा है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और हादसे से जुड़े सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराएं अधिकारी: सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश में गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी करीब 200 लोगों

से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्रों को पास में खड़े अधिकारियों को हस्तगत कर समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। हृदय रोग से पीड़ित एक महिला से उन्होंने कहा कि इलाज के लिए उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने जमीन कब्जा से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित और कड़े कदम उठाए जाएं। जबरन जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस हुई दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी

फिरोजाबाद : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर फिरोजाबाद जिले के थाना नगला खंगर क्षेत्र में शुक्रवार को गोरखपुर से चंडीगढ़ जा रही एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस में सवार चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

हादसा शुक्रवार की तड़के सुबह आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर नगला खंगर थाना क्षेत्र की सीमा में किलोमीटर संख्या 63 के समीप हुआ। यहां एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक लोहे की रॉड लेकर कानपुर से जयपुर जा रहा था। बस में लगभग 55 सवारियां थी। हादसा होते ही सवारियों में चीख पुकार मच गई। गाड़ी में सवार यात्रियों ने घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस के साथ यूपीडा की टीम भी मौके

पर पहुंच गई। पुलिस व यूपीडा की टीम ने तत्काल बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। जिनमें करीब 20 से ज्यादा यात्री घायल थे। पुलिस ने तत्काल सभी घायल यात्रियों को इलाज के लिए शिकोहाबाद के संयुक्त अस्पताल और कुछ गंभीर घायलों को सैफई मेडिकल कॉलेज भिजवाया। सैफई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान चालक सहित दो लोगों की मौत हो गय। बस गोरखपुर से चंडीगढ़ जा रही थी। मृतकों की पहचान पंजाब निवासी बस चालक गुरी व केविन में बैठे यात्री दलजीत के रूप में हुई है। हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना और ओवर स्पीड माना जा रहा है। हालांकि पुलिस घटना की जांच के साथ ही मृतकों व घायलों की पहचान कर रही है।

संविधान हत्या दिवस : उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी ने डीयू के प्रो. सुधीर सिंह की पुस्तक का किया लोकार्पण

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत में वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ के अवसर पर महाराष्ट्र एवं गोवा के पूर्व राज्यपाल तथा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय स्थित टैगोर हॉल में डीयू के प्रो. डॉ. सुधीर सिंह की पुस्तक ह्लडेमोक्रेसी एंड ह्यूमन राइट्स इन इंडिया रिफ्लेक्शन फॉर इमरजेंसी (1975झ्र1977)ह्व का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह पुस्तक आपातकाल (1975झ्र1977) का गंभीर विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुस्तक में संवैधानिक संस्थाओं, नागरिक स्वतंत्रताओं, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था तथा मानवाधिकारों पर आपातकाल के प्रभावों का ऐतिहासिक एवं वैचारिक परिप्रेक्ष्य

में अध्ययन किया गया है। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक स्मृति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए भारतीय लोकतंत्र के इस अंधकारमय अध्याय को समझना अत्यंत आवश्यक है। इस पुस्तक का लोकार्पण मानो एक पुराने घाव को फिर से खोलने जैसा है, किंतु जो राष्ट्र अपने घावों को भूल जाता है, वह उन्हें दोहराने का जोखिम उठाता है। आपातकाल के दौरान अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए भगत सिंह कोश्यारी, जिन्होंने उस अवधि में कई महीने जेल में बिताए थे ने कहा कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाना चाहिए। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय है और आने वाली पीढ़ियों को इसके सबक हमेशा याद रखने चाहिए। डॉ. सुधीर सिंह ने कहा कि उन्नीस महीनों तक भारतीय लोकतंत्र घने अंधकार के साये में रहा। राज्य शक्ति का प्रयोग न्यायपालिका सहित लोकतांत्रिक संस्थाओं के विरुद्ध किया गया। कौटिल्य के अनुसार न्यायपूर्ण शासन किसी भी राजनीतिक व्यवस्था की आधारशिला है। आपातकाल का लागू किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार था। डॉ. सुधीर सिंह हाल ही में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्रो. के रूप में नियुक्त हुए हैं। वे एक प्रतिष्ठित विद्वान हैं तथा अब तक पांच पुस्तकों का लेखन, तेईस पुस्तकों का संपादन और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में तिरानबे शोध-पत्र प्रकाशित कर चुके हैं। कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. भारती शर्मा, प्रो. बी.के. सिंह, प्रो. एम. रहमतुल्लाह, प्रो. कुमार आशुतोष, प्रो. रंजना मुखोपाध्याय, प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा, डॉ. कामाख्या तिवारी, प्रो. ए.एस. यारुइंगम, प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी, डूटा अध्यक्ष प्रो. वी.एस. नेगी तथा डॉ. रूपेश चौहान प्रमुख रूप से शामिल थे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के 'बहुत करीब', लेकिन टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा भारत: गोयल

कहा–अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लंदन में में कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता। हालांकि, गोयल ने यह कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील 'बहुत करीब' है, लेकिन भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा। गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक को

संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से पहले भारत इस पर स्पष्टता चाहता है कि मैन्युफैक्चरिंग के मामले में वह प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपनी बढ़त को कैसे बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, "हमें यह पक्का करना है कि हमें उन देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव फायदा मिले जो विकास के उसी चरण में हैं या जिनकी कॉस्ट स्ट्रक्चर भारत जैसी ही है। चाहे वह वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन हो, या बांग्लादेश, श्रीलंका और हमारे सभी पड़ोसी देश हों।" इस बीच भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी कहते हैं, ·ये मामला तकनीकी नहीं है। मुझे लगता है कि भारत का रुख यह रहा है कि 'हमें प्रेफरेंशियल टैरिफ (वरीयता वाला टैरिफ) चाहिएह्ल, यानी हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए क्योंकि इससे हम ज्यादा कॉम्पिटिटिव (प्रतिस्पर्धी) बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बात 10 फीसदी या 20 फीसदी की नहीं है, बल्कि असल बात पड़ोसियों से कम टैरिफ पाने की भी है। यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है, क्योंकि अभी भारत पर टैरिफ 12.5 फीसदी है और पाकिस्तान पर 10 फीसदी। भारत का कोई भी राजनीतिक दल या नेता इसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे मूल रूप से उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी ने आगे कहा कि इसलिए, इस मसले को सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यहीं पर ट्रंप प्रशासन विचार-विमर्श करेगा और देखेगा कि कैसे कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो भारत और अमेरिका, दोनों के लिए फायदेमंद हो। भारत और अमेरिका के बीच इसी हफ्ते नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल हुए।

न्यूज IN ब्रीफ

राजौरी में पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने पर सेना ने चलाया तलाशी अभियान

राजौरी : राजौरी ज़िले के नौशहरा के सीमावर्ती गांव कलाई में रात के समय पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने पर सेना ने तलाशी अभियान चलाया हुआ है। जानकारी के अनुसार सीमावर्ती गांव कलाई में देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन क्षेत्र में घुस आया और वह कुछ देर तक गांव के ऊपर ही मंडराता हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों ने वीडियो भी बनाई और इसकी जानकारी उसी समय सेना को दी गई। सेना के अधिकारी और जवान उसी समय घटनास्थल पर पहुंच गए और उन्होंने व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया। पाकिस्तानी ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर नहीं गया इसी के चलते सेना ने पलासी हिल लमबेडी.के जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया हुआ है ताकि ड्रोन द्वारा किसी भी प्रकार की सामग्री या हथियार न गिराए गए हों।

राजौरी में 'ऑपरेशन शेरूवाली' का 35वां दिन, डोरीमल के जंगलों में तलाशी अभियान जारी

राजौरी, : आज ऑपरेशन शेरूवाली' का 35वां दिन है और यह राजौरी ज़िले के गंभीर मुगलान इलाके के डोरिमल जंगलों में जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों सहित सुरक्षा बल इस ऑपरेशन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। 'ऑपरेशन शेरूवाली' जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में डोरिमल-गंभीर मुगलान सेक्टर के घने जंगलों में चल रहा एक बड़े पैमाने का आतंकवाद-विरोधी सर्च ऑपरेशन है। मई के आखिर में शुरू किए गए इस मल्टी-एजेंसी ऑपरेशन का मकसद इलाके के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में छिपे हथियारों से लैस घुसपैठियों का पता लगाना और उन्हें बेअसर करना है। एक बड़े पैमाने पर सर्च और निगरानी ऑपरेशन चल रहा है जिसमें सुरक्षाकर्मी इलाके में पूरी तरह सतर्क हैं। ऑपरेशन के मकसद को पूरा करने के लिए सभी एजेंसियां आपस में मिलकर काम कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और सुरक्षा बल बड़े पैमाने पर तलाशी और निगरानी के जरिए इलाके में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक इलाके को पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कर लिया जाता और सभी मकसद पूरे नहीं हो जाते।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में संचालित वन स्टॉप सेंटर में लगी आग, फायर कर्मियों ने पाया काबू

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ आग लगने की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को अलग-अलग दो स्थानों पर आग लगने की घटना सामने आयी है। पहली घटना लोकबंधु अस्पताल में संचालित वन स्टॉप सेंटर की है तो दूसरी घटना अमीनाबाद की एक दुकान की है। हालांकि समय रहते आग को बुझा लिया और अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि की बात सामने नहीं आयी है। कृष्णानगर पुलिस की ओर से यह जानकारी दी गई है कि लोकबंधु अस्पताल परिसर में स्थित वन स्टॉप सेंटर में आग लग गई। इस सूचना के बाद आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। अग्निशमन अधिकारी धर्मपाल सिंह के मुताबिक, केंद्र के लाइट पैनल में लगी थी। लकड़ी (वुडन) से निर्मित इंटीरियर का एक कॉलम एवं उसके ऊपर की सीलिंग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। इसके अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार की विशेष क्षति की सूचना नहीं है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य है तथा आवश्यक अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है। वही, अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट में एक दुकान में आग लगी थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। ये दुकान सिद्दकी खान की है और एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। आग को काबू में कर लिया है और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों अलीगंज की एक कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद छात्र–छात्राओं समेत 15 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद शहर में लगातार फायर विभाग के लोग अभियान चला रहा है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के जन्मदिन पर ओडिशा के राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

भुवनेश्वर : ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपटि ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके जन्मदिन के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में राज्यपाल ने धर्मेंद्र प्रधान के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान राष्ट्रसेवा के अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए देश की प्रगति और विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहें। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा, ·केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीर्घायु प्रदान करें। राष्ट्र की सेवा के अपने दायित्वों के निर्वहन में उन्हें निरंतर शक्ति और सफलता मिले तथा देश की प्रगति एवं विकास के लिए उनके सभी प्रयास सफल हों।·

बच्चों को पिलाएं जाएंगे, दो बूंद जिंदगी की पोलियो खुराक

बिलासपुर : जिले में 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे। जिले में अभियान के सफल संचालन के लिए 1530 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। यह बूथ जिला चिकित्सालय, सिम्स, सभी शासकीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित होंगे। जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 2 लाख 78 हजार 149 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, ईंट-भट्ठों, कोयला भट्ठों, निर्माण स्थलों, बस्तियों एवं अन्य क्षेत्रों के लिए विशेष मोबाइल टीमों का गठन किया गया है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त घोषित किया गया था, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो वायरस की मौजूदगी के कारण सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पल्स पोलियो अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. शुभा गढ़ेवाल ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 28 जून को अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक, पुलिस जांच में जुटी

मीरजापुर : पड़री थाना क्षेत्र के कोहरा की देवरी गांव में शुक्रवार भोर में एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि गांव निवासी अभिषेक कुमार (22) अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला है। सूचना मिलते ही पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

न्यूज IN ब्रीफ

लोको स्थित राम मंदिर में निर्जला एकादशी के दिन हुआ विशेष पूजा

संवाददाता : लोको स्थित राम मंदिर परिसर में मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने आज निर्जला एकादशी के दिन स्वयं निर्जला रहने के साथ-साथ मंदिर में विशेष पूजा अर्चना भी की ।

इस अवसर पर श्री पांडे ने बताया कि आज गुरुवार होने के कारण मंदिर परिसर में अवस्थित साईं बाबा की विशेष पूजा अर्चना भी की गई इसके अलावा आज निर्जला एकादशी के अवसर पर वृहद रूप से विशेष पूजा अर्चना का भी आयोजन किया गया वह स्वयं कल सूर्योदय के पश्चात जल और अन्न भी ग्रहण करेंगे विदित हो कि राम मंदिर में यूं तो प्रतिदिन पूजा अर्चना किए जाते हैं किंतु विशेष अवसर पर मंदिर प्रांगण में विशेष पूजा अर्चना और भक्तजनों की उपस्थिति काफी संख्या में रहती है और यह मंदिर श्रद्धा निष्ठा आस्था का भी स्थल है।

मुहर्रम को लेकर डीसी-एसपी ने हुसैनाबाद व हैदरनगर में किया भ्रमण

मेदिनीनगर: मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने गुरुवार को हुसैनाबाद तथा हैदरनगर क्षेत्र का भ्रमण कर विधि-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) दिव्यांश शुक्ला, हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार तथा हैदरनगर थाना प्रभारी तंजीलुल मनान भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मुहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्गों, संवेदनशील स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। भ्रमण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पर्व के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने, नियमित गश्ती अभियान चलाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से भी संवाद कर प्रशासन को सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मुहर्रम पर्व के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज में मानसून की पहली बारिश, खरीफ फसल को होगा फायदा

साहिबगंज : जिले में मानसून की पहली बारिश हुई है. सुबह से बारिश हो रही है. किसानों को खासकर खरीफ सीजन में होने वाले धान की फसल के लिए फायदेमंद साबित होगा. बारिश के अभाव में किसान बिचड़ा नहीं गिरा पा रहे थे. कुछ किसानों ने मई महीने में हुई बारिश में बिचड़ा गिराया तो जून माह में बारिश नहीं होने से पौधा ठीक से निकल नहीं पाया. जिससे किसान काफी परेशान हैं. बारिश आवश्यकता से कम होने की वजह अलनीनो मौसमी घटक बताया जा रहा है. हालांकि कृषि विभाग द्वारा अपील की जा रही है कि अपने खेतों को अधिक जोतें, ताकि बारिश नहीं होने पर नमी बरकरार रहे. इस बार 20 प्रतिशत बारिश कम होने वाली है, ऐसे में किसान कम अवधि की किस्म के धान लगाएं. जिससे कम अवधि में पौधा तैयार हो जाए और सुखाड़ जैसी समस्या उत्पन्न न हो. इधर लैम्प्स, पैक्स द्वारा किसान को 50 फीसद अनुदानित दर पर धान का बीज का वितरण जारी है. इस बार 5000 क्विंटल धान के बीजों की मांग की गई. लेकिन बीज वितरण निगम ने मात्र 2300 क्विंटल बीज देने का आदेश निर्गत किया है. अभी तक विभाग को 430 क्विंटल बीज मिला है जो सकरोगढ़ लैम्प्स और एफपीओ बोरियो सहित अन्य लैम्प्स, पैक्स से वितरित किया जा रहा है. यह बीज वैसे किसान को दिया जा रहा है, जो ब्लॉक चेन से जुड़े हो. जून माह में सामान्यतः बारिश 225.40 एमएम की आवश्यकता है, अभी तक 99 एमएम बारिश हो हुई है. कम बारिश को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने कहा कि इस साल अलनीनो का प्रभाव रहेगा. जिससे बारिश कम होने का अनुमान है. किसान से अपील की गई है कि अपने खेत की जुताई अधिक करें, ताकि बारिश नहीं होने पर भी खेत की नमी बरकरार रहे. साथ ही कम अवधि वाली फसल लगाने की अपील की गई है. कृषि पदाधिकारी ने कहा कि किसानों को बीज की कमी नहीं होगी.

पोटका प्रखंड में 30 को रेड क्रॉस पर यूसीआईएल का स्वास्थ्य और नेत्र जांच शिविर

जमशेदपुर : रेड क्रॉस सोसाईटी और यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड सीएसआर के तहत पोटका प्रखंड के डोमजूडी पंचायत भवन में 30 जून को ग्रामीण स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन करेगी। निःशुल्क स्वास्थ्य और नेत्र शिविर से आसपास के सैकड़ो ग्रामीणों को विभिन्न तरह की जांच की सुविधा मिलेगी। रेड क्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह तथा यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के स्थानीय पदाधिकारियों ने स्थानीय लोगों से शिविर में भाग लेने हेतु आग्रह किया है। इधर 28 जून को रेड क्रॉस द्वारा साकची भवन में दिन भर युवाओं के लिए रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

रक्तदान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल होने की अपील

जमशेदपुर : भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी पूर्वी सिंहभूम द्वारा 28 जून को ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान करने की अपील की गई है। यह अभियान की कड़ी में एसडीएसएम स्कूल फॉर एक्सीलेंस में स्व. एसडी सिंह की 28वीं पुण्यतिथि पर यह शिविर आयोजित किया गया है। रक्तदान शिविर के लिए रक्तदाताओं, विशेष कर युवा रक्तदाताओं को लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

विकास दोदराजका पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के साथ-साथ कोल्हान और राज्य के लिए भी गौरव हैं

बिनय मिश्रा

सामाजिक दायित्व के निर्वहन के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने वाले विकास दोदराजका की सशक्त पहचान ऐसे सामाजिक व्यक्ति और दायित्व के निर्वहन करने वाले व्यक्ति की रुप में सशक्त पहचान है या यूं कहें कि उनके जीवन का मूलमंत्र परोपकारिता है तो यह कथन उनके जीवन के सहभागिता को चरितार्थ भी करता है आज उनके सम्मानित होने पर सभी ने काफी गौरवान्वित महसूस किया रोटरी जिला 3250 के अवार्ड समारोह 'शुक्राना' में चाईबासा क्लब ने बटोरे 07 पुरस्कार

चाईबासा रोटरी बना गोल्ड स्टार क्लब

स्वास्थय एवं सामुदायिक सेवाओं के लिए सर्वोत्तम क्लब, श्रेष्ठ युवा क्लब

सदस्यों के सहयोग से नया मुकाम हुआ हासिल झ विकास दोदराजका

रोटरी जिला 3250 (बिहार एवं झारखंड) के वार्षिक पुरस्कार वितरण सह सम्मान समारोह पटना में आयोजित हुआ, इस कार्यक्रम में बिहार एवं झारखंड के लगभग 120 क्लबो ने हिस्सा लिया, इस दौरान रोटरी सत्र 2025 26 में विभिन्न क्लब के द्वारा सेवा क्षेत्र में किए गए कार्यों

का मूल्यांकन कर विभिन्न शाखाओं को रोटरी इन्टरनेशनल के पूर्व सदस्य अनिरुद्ध राय चौधरी की उपस्थिति में जिला पाल 3250 रोटेरियन नम्रता के द्वारा सम्मानित किया गया, चाईबासा शाखा के अध्यक्ष रोटेरियन विकास दोदराजका ने सदस्य रो. विष्णु भूत के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर अवाड्र्स हासिल किया, शुक्राना अवॉर्ड समारोह में रोटरी क्लब चाईबासा

को कुल 7 प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इनमें स्वास्थय एवं सामुदायिक सेवाओं के लिए सर्वोत्तम क्लब,

गोल्ड स्टार क्लब,

सर्वोत्तम युवा क्लब, रक्तदान, अन्नपूर्णा योजना और जिला पाल के द्वारा विशेष समेत अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

अध्यक्ष श्री दोदराजका ने मौके पर कहा कि क्लबो के बीच सेवा कार्यों के दौरान कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और उस स्थिति में हमें मिली यह उपलब्धि पूरे चाईबासा रोटरी क्लब परिवार के सामूहिक प्रयास, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है।

इसके लिए हम अपने प्रायोजकों, मीडिया के साथियों और रोटरी मित्रों के प्रति आभार प्रकट करते हैं,

हमें समाज की सभी वर्गों के विकास और सहभागिता को सुनिश्चित करना है और हम पूरी निष्ठा से आने वाले समय मे भी सक्रियता से सेवारत रहेंगे.

इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व जिला पाल योगेश गंभीर, राकेश प्रसाद, अजय कुमार आदि उपस्थित थे।

जनभागीदारी से ही बनेगा स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर शहर

संवाददाता

अपने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी है। जब जनता और प्रशासन मिलकर कार्य करते हैं, तभी किसी शहर का समग्र विकास संभव हो पाता है।

रांची के दीपाटोली क्षेत्र की निवासी श्रीमती रूना शुक्ला ने एक महत्वपूर्ण जनसमस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनके द्वारा भेजे गए फोटो एवं वीडियो में कई स्थानों पर बिजली के बेकार और निष्क्रिय तार नीचे लटकते दिखाई दे रहे हैं। इन तारों में भले ही विद्युत प्रवाह न हो, लेकिन वे राहगीरों के सिर से टकराते हैं। कई बच्चे इन्हें पकड़कर झूलने का प्रयास भी करते हैं, जिससे भविष्य में किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

जिस कंपनी के द्वारा वाई-फाई का काम चलता है वह अपने स्टाफ

को भी थोड़ा प्रशिक्षण दें बात करने का, बड़ा सा तार नीचे लटका हुआ छोड़कर जा रहे थे तब रूना शुक्ला ने कहा कि भैया तार को थोड़ी ऊंचाई पर बांध देंगे तो बेहतर होगा नहीं तो किसी के पैर में उलझ सकता है तब उस बंदे ने जवाब दिया कि ज्यादा भाषण मत दीजिए मैडम जाइए यहां से,उस समय एयरटेल वालों का वाई-फाई का तार बांधने का काम चल रहा था चेशायर हम रोड में।

हर स्तर के लोगों को जागरूक होने की जरूरत है तभी समाज आगे बढ़ेगा और सुंदर बनेगा। किसी हादसे के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि समय रहते ऐसे संभावित खतरे को समाप्त कर दिया जाए। इसलिए बिजली विभाग एवं संबंधित विभागों से अनुरोध है कि शहर में ऐसे सभी स्थानों का सर्वेक्षण कर लटकते और अनुपयोगी तारों को हटाने अथवा व्यवस्थित करने की पहल करें।ऐसे छोटे-छोटे प्रयास न केवल दुर्घटनाओं को रोकेंगे, बल्कि रांची को अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दोषपूर्ण ट्रांसफार्मर और अधिकारियों की कार्यशैली पर भड़के नगर पंचायत अध्यक्ष

जीएम बिजली विभाग से की कार्रवाई की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : नगर पंचायत हुसैनाबाद के अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने बिजली विभाग के महाप्रबंधक (जीएम), मेदिनीनगर को पत्र भेजकर क्षेत्र में लगातार जल रहे ट्रांसफार्मरों, खराब विद्युत व्यवस्था और विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि विभाग द्वारा गुणवत्ताहीन एवं मरम्मत किए गए पुराने ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि भीषण गर्मी के बीच नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार ट्रांसफार्मर जलने की घटनाओं से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित होने के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में रामबिगहा, मेंहदीनगर और खादी भंडार क्षेत्र के लिए तीन ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए गए थे, जिनमें दो नए और एक मरम्मत किया हुआ पुराना ट्रांसफार्मर था।पत्र के अनुसार, रामबिगहा वार्ड संख्या-3 में पुराने ट्रांसफार्मर भेजे जाने पर ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई और स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई। विवाद बढ़ने के बाद उक्त ट्रांसफार्मर को दो दिनों तक हुसैनाबाद थाना परिसर में रखना पड़ा।

अजय कुमार भारती ने इस पूरे मामले के लिए बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्हें लिखित रूप से अवगत कराने और कई बार दूरभाष पर संपर्क करने के बावजूद न तो उनकी शिकायतों पर ध्यान दिया गया और न ही किसी प्रकार की सकारात्मक पहल की गई। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों की बात तक नहीं सुनी जा रही है, तो आम जनता की समस्याओं के प्रति विभाग की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने महाप्रबंधक से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, संबंधित कार्यपालक अभियंता के आचरण एवं कार्यशैली की समीक्षा करने तथा आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने हुसैनाबाद क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और स्थायी समाधान के लिए जर्जर बिजली तारों को बदलने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने का आग्रह किया है।उन्होंने इस पत्र की प्रतिलिपि उपायुक्त पलामू, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, ऊर्जा विभाग तथा मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को भी प्रेषित की है।

उलातू में श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत संगम

भोक्ता झूलन में पुष्पवर्षा के बीच गूंजा मंडा पूजा का संदेश

संवाददाता

ओरमांझी : श्री श्री मंडा पूजा समिति, उलातू (ओरमांझी) के तत्वावधान में शुक्रवार तड़के सुबह पारंपरिक भोक्ता झूलन का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान भोक्ता श्रद्धा और आस्था के साथ झूलते हुए श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा करते नजर आए। साथ ही उन्होंने धार्मिक परंपरा के अनुसार अपने शरीर पर कठिन तप एवं यातनाओं का निर्वहन कर मंडा पूजा की प्राचीन संस्कृति और आस्था का अद्भुत प्रदर्शन किया। आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड के अध्यक्ष राजकुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय महासचिव उदय पासवान एवं तपन कुमार महतो शामिल हुए।

अपने संबोधन में केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार महतो ने कहा कि मंडा पूजा हमारे पूर्वजों द्वारा शुरू की गई ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर है, जो आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि इस विरासत को संरक्षित और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

आयोजन की सफलता पर केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड की ओर से समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय मुंडा, अमरनाथ चौधरी, सुनील मुंडा, शुभम गोप, अजय पहान, महेंद्र मुंडा सहित अनेक गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आईआईटी धनबाद में 147 प्रतिभागियों को मिला कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र

संवाददाता

धनबाद : आईआईटी आईएसएम धनबाद के माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग की ओर से गुरुवार को स्किल सर्टिफिकेट डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के तहत संचालित असिस्टेंट माइन सर्वेयर प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। 147 के बीच प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इनमें तीन माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 85 प्रशिक्षु तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम में योगदान देने वाले 62 प्रशिक्षक शामिल रहे। मुख्य अतिथि उप निदेशक प्रो. धीरज कुमार ने कहा कि पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत संचालित यह कार्यक्रम युवाओं को रोजगारोन्मुख कौशल उपलब्ध कराने की दिशा में आईआईटी धनबाद की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। संस्थान उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास कार्यक्रमों को आगे भी बढ़ाता रहेगा। माइनिंग इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. बीएस चौधरी, कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ सुनील कुमार समेत अन्य ने संबोधित किया। हाल ही में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से 32 प्रशिक्षुओं को रोजगार मिल चुका है। मौके पर डीन (इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप) प्रो. आलोक कुमार दास समेत अन्य मौजूद थे।

हड़ताल पर बोकारो सदर अस्पताल के सफाईकर्मी, लगा गंदगी का अंबार

संवाददाता

बोकारो : वेतन नहीं मिलने की वजह से बोकारो सदर अस्पताल के सफाईकर्मी हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण अस्पताल में गंदगी का अंबार लग गया है। मरीज परेशान हैं। उन्हें संक्रमण का डर सता रहा है।

दरअसल, बोकारो सदर अस्पताल में काम करने वाले सफाई कर्मियों को तीन महीने का वेतन भुगतान नहीं हुआ है। ये सभी सफाईकर्मी एक एजेंसी के तहत अस्पताल में काम करते हैं। वेतन भुगतान नहीं होने के कारण उन्होंने सफाई व्यवस्था बंद कर दी। इससे सदर अस्पताल में गंदगी का अंबार लग गया। मरीज गंदगी के बीच इलाज कराने को मजबूर हैं। जो मरीज ठीक होने के लिए आए थे उनमें इन्फेक्शन का खतरा बढ़ गया। वहीं इन सबके बीच सफाई कर्मी स्ट्राइक की दुहाई देकर बचते नजर आए।

अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, एक महीने का वेतन 24 जून को भुगतान कर दिया गया था। जिसके बाद भी अस्पताल में चार दिनों से स्ट्राइक है। जिसके कारण अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ भी मास्क लगाकर घूमते हुए देखे गए। छोटे-छोटे बच्चे भी इस गंदगी के बीच इलाज करने को मजबूर हैं। कर्मियों का कहना है कि पेट के आगे मानवता काम नहीं करती। यह जिम्मेदार पदाधिकारी से पूछने की जरूरत है कि क्यों इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। अस्पताल में मरीज लेकर आए परिजनों का कहना है कि गंदगी इस कदर है कि बीमार तो बीमार है ही, अटेंडेंट भी बीमार हो जाए, इस पर सरकार का ध्यान होना चाहिए। सफाई अस्पताल का एक महत्वपूर्ण विषय है।

वहीं सिविल सर्जन डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि पूरे जिले में सफाई व्यवस्था ठीक है, लेकिन महज कुछ सफाई कर्मी हमेशा स्ट्राइक पर चले जाते हैं। इस कारण इस तरह की स्थिति उत्पन्न होती है। कर्मी स्थानीय नेताओं के झांसे में आते हैं और अस्पताल का काम रोक देते हैं। इसके लिए उपायुक्त के माध्यम से सरकार को लिखेंगे और एजेंसी पर कार्रवाई करने की मांग करेंगे।